दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 121 | ग्वालियर, मंगलवार, 05 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

NAM शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

## कुछ लोग खतरनाक वायरस फैलाने में जुटे हैं

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुट निरपेक्ष देशों के वर्चुअल सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए कहा दहशतगर्दों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब हम कोविड-19 संकट से जूझ रहे हैं, ऐसे में भी कुछ लोग आतंकवाद, फर्जी खबरें और छेड़छाड़ करके बनाए गए वीडियो जैसे दूसरे घातक वायरस फैलाने में लगे हुए हैं। गुट-निरपेक्ष आंदोलन (नैम) के सदस्य देशों के नेताओं से वीडियो कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी कहा कि मानवता के समक्ष बड़ा संकट है, ऐसे में गुट-निरपेक्ष देश कोविड-19 से निपटने में योगदान दे सकते हैं। पीएम ने कहा कि भारत को दुनिया की फार्मेसी माना जाता है, हमने कोविड-19 के प्रकोप के मद्देनजर 120 से अधिक देशों को दवाएं भेजी हैं। उन्होंने नैम के बारे में कहा कि नैम दुनिया की नैतिक आवाज है, इसे समावेशी बना रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि कोविड-19 के बाद वैश्विकरण के नए ढांचे की आवश्यकता होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को गुटनिरपेक्ष (एनएएम) देशों के वर्चुल सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। यह सम्मेलन ऐसे वक्त पर हुआ

जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस संक्रमण की चुनौतियां का सामना कर रही है। एनएएम के सदस्य देशों के साथ पीएम मोदी की कोरोना के खिलाफ जंग और इससे निटपने के ऊपर चर्चा हुई। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव की कोशिशों के बीच इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। वे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के मौजूदा चेयरमेन हैं। इस सम्मेलन में पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भी हिस्सा लिया।

**क्या है NAM?**

गुट निरपेक्ष देशों का यह आंदोलन दुनिया की दशा-दिशा तय करने में अपनी प्रभावकारी भूमिका रखता है। कुछ साल पहले इसकी ताकत और भी ज्यादा थी। एनएएम संयुक्त राष्ट्र के बाद दूसरा बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसके साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 120 विकासशील देश जुड़े हुए हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी इससे पहले कई देशों के राष्ट्रध्यक्षों से साथ कोरोना के मुद्दे पर बातचीत कर चुके हैं। गौरतलब है कि दुनियाभर में कोराना पीड़ितों की संख्या करीब 35 लाख के पार पहुंच गई है जबकि करीब ढाई लाख लोगों की मौत हो चुकी है। दुनियाभर में अब तक 35,63,689 लोगों में कोरोना संक्रमण पाया जा चुका है। अब तक 2,48,146 लोगों की मौत कोरोना की वजह से हो चुकी है। अब तक दुनियाभर में कोरोना से ठीक हुए लोगों की संख्या 11,53,253 है। अमेरिका दुनिया का सबसे ज्यादा कोरोना प्रभावित देश है। अमेरिका में कोरोना संक्रमित लोगों की तादाद 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। वहीं 68,598 मौतें अमेरिका में कोरोना से हुई हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं।

## तीन महीने और बढ़ सकती है EMI पर रोक, रिजर्व बैंक कर रहा है विचार

**नई दिल्ली ।** देश में लॉकडाउन की अवधि 17 मई तक बढ़ा दिए जाने के बाद रिजर्व बैंक अब बैंकों के कर्ज कि वापसी पर लगाई गई रोक की अवधि को भी तीन महीने और बढ़ाने पर विचार कर रहा है। केंद्रीय बैंक ने कोरोना वायरस महामारी को नियंत्रित करने के लिए लगाए लॉकडाउन के कारण प्रभावित लोगों की मदद के वास्ते उन्हें तीन माह तक बैंक कर्ज की किस्तें चुकाने से छूट दी है। यह छूट 31 मई तक के लिए दी गई थी। सूत्रों का कहना है कि अब जबकि सरकार ने लॉकडाउन की अवधि को 17 मई तक बढ़ा दिया है तब यह माना जा रहा है कि कर्ज किस्तों के भुगतान में छूट की अवधि को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। भारतीय बैंक संघ सहित कई क्षेत्रों से इस अवधि को बढ़ाने के बारे में सुझाव दिए गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को 17 मई तक बढ़ा दिए जाने के कारण कमाई का पहिया तेजी से आगे नहीं बढ़ पाएगा। ऐसी स्थिति में कई उद्योग, फर्में और व्यक्ति अपने कर्ज की किस्त नहीं चुका पाएंगे।

रिजर्व बैंक की तीन महीने की छूट अवधि 31 मई को समाप्त हो रही है। सार्वजनिक क्षेत्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ऐसे में कर्ज वापसी पर रोक की अवधि को तीन महीने आगे बढ़ाना नियामक की तरफ से व्यवहारिक कदम होगा। अधिकारी ने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में इस तरह का कदम कर्ज लेने वालों और बैंक दोनों के लिये मददगार होगा। रिजर्व बेंक ने 27 मार्च को बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ग्राहकों के एक मार्च 2020 को बकाया सभी तरह के सावधिक कर्ज पर वापसी किस्तों के भुगतान में तीन माह के लिये रोक लगाने की पेशकश करने को कहा था। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में अन्य मुद्दों के अलावा कर्ज वापसी पर रोक के मुद्दे की समीक्षा भी की गई।

## यूपी में शराब खरीदने की तय हुई लिमिट

**लखनऊ।** यूपी में प्रमुख सचिव आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी ने कहा है कि प्रदेश में अगले तीन-चार दिन लोग सीमित मात्रा में ही शराब और बीयर खरीद सकेंगे। एक बार में एक व्यक्ति देसी या अंग्रेजी शराब की सिर्फ एक बोतल, या दो अद्धे अथवा तीन पव्वे ही खरीद सकेगा। इसी तरह बीयर की दो बोतल या तीन केन ही खरीदे जा सकेंगे। हिन्दुस्तान से बातचीत में उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से यह फैसला शराब और बीयर की जमाखोरी तथा कालाबाजारी को सख्ती के साथ रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने ताकीद करते हुए कहा कि राज्य में कहीं भी शराब और बीयर की जमाखोरी या कालाबाजारी करने की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि लाकडाउन के नियमों और सोशल डिस्टेन्सिंग का पूरी तरह अनुपालन करते हुए शराब और बीयर की दुकानों के सेल्समैनों और पुलिस का सहयोग करें। प्रदेश में शराब और बीयर का समुचित स्टाक है। डिस्टलरियों ने काफी पहले ही उत्पादन शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि अगले तीन दिन में शराब और बीयर की सप्लाइन चेन सामान्य हो जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कहीं से भी शराब और बीयर की बिक्री के दौरान कोई हिंसा नहीं हुई। शांतिपूर्ण ढंग से बिक्री शुरू हुई।

जम्मू कश्मीर: कुपवाड़ा में 48 घंटे के भीतर दूसरा आतंकी हमला

## सीआरपीएफ के 3 जवान शहीद और 7 घायल

**नई दिल्ली।** जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सोमवार को आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान शहीद हो गए हैं, जबकि सात जवान घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में क्रालगुंद क्षेत्र के वंगाम-कजियाबाद में हमलावरों ने सीआरपीएफ की एक नाका पार्टी पर गोलियां चलायीं। अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में सीआरपीएफ के तीन जवानों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। उन्होंने बताया कि इलाके को घेर लिया गया है तथा हमलावरों को ढूढने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी वहां भेजे गये हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। बता दें कि इससे पहले शनिवार और रविवार को उत्तरी कश्मीर में हंदवाड़ा क्षेत्र के एक गांव में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक कर्नल और एक मेजर समेत पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे और दो आतंकवादी भी मारे गए। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शहीद सुरक्षाकर्मियों में सेना अधिकारी कर्नल आशुतोष शर्मा और मेजर

अनुज और जम्मू कश्मीर पुलिस के उपनिरीक्षक शकील काजी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में हंदवाड़ा के चांजमुल्ला इलाके में शनिवार को एक मकान में छिपे आतंकवादियों ने कुछ नागरिकों को बंधक बना लिया था और कर्नल शर्मा नागरिकों को मुक्त कराने वाली टीम का नेतृत्व कर रहे थे। बता दें कि शनिवार को ही सेना के सूत्रों ने इन पाचों जवानों के लापता होने की खबर दी थी, जिसके बाद उन्हें ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। अधिकारियों ने कहा था कि जब बंधकों को छुड़ाया जा रहा था तो बचाव टीम पर आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी कर दी। सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। बचाव टीम में एक लांस नायक और एक राइफलमैन भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि रविवार तड़के सुरक्षाबलों ने बड़ा अभियान शुरू किया क्योंकि उनका कर्नल या उनकी टीम के साथ कोई संपर्क नहीं हो पाया था।

### मप्र में कोरोना वायरस संक्रमण के 106 नए मामले, मरीजों का आंकड़ा 2942 तक पहुंचा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 106 नए मामले सामने आए और इस तरह प्रदेश में कोविड-19 से संक्रमित रोगियों का आंकड़ा 2,942 तक पहुंच गया। वहीं, राज्य में 9 और व्यक्तियों की मौत हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 165 हो गई है। मध्य प्रदेश सरकार के ताजा स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से 9 लोगों मौत हुई है। इनमें उज्जैन में पांच, बुरहानपुर में दो और रायसेन एवं इंदौर में एक-एक व्यक्ति की मौत शामिल है। राज्य में अब कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 165 हो गई है, जिनमें सबसे अधिक 77 मौतें अकेले इन्दौर में हुई हैं, जबकि उज्जैन में 35, भोपाल में 15, देवास एवं खरगोन में सात-सात, खंडवा में छह, होशंगाबाद, बुरहानपुर, मंदसौर एवं रायसेन में तीन-तीन और छिंदवाड़ा, जबलपुर, आगर मालवा, धार, शाजापुर एवं अशोकनगर एक-एक मरीज की मौत हुई है।

### 24 घंटे में कोरोना से मुक्त हुए 1074 मरीज, एक दिन में पहली बार हजार से ज्यादा मरीज रिकवर

**नई दिल्ली।** पिछले 24 घंटों में देश में 1074 लोगों ने कोरोना वायरस को मात दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि यह एक दिन में ठीक होने वाले लोगों की सर्वाधिक संख्या है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश में अब तक कुल 11,706 कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं और इसके साथ रिकवरी रेट बढ़कर 27.52 पर्सेंट हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि कोविड-19 का परिणाम अनुपात (बंद हो चुके केसों का रिकवरी और मृत्यु अनुपात) 90ः10 है, 17 अप्रैल को यह अनुपात 80ः20 था। यानी इसमें सुधार दर्ज किया गया है। 24 घंटों में देश में 2,553 कोरोना मरीज पाए गए और इससे कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 42,533 हो गई। कुल एक्टिव केसों की संख्या 29,453 है। अग्रवाल ने यह भी कहा कि कोरोना केसों का भारत में अब तक कर्व फ्लैट है और इस बारे में बात करना ठीक नहीं है कि पीक कब आएगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी हुई है, अगर हम मिलकर काम करेंगे तो ये अपने चरम पर नहीं पहुंचेगा, लेकिन अगर हम असफल हो गए तो मामले बढ़ सकते हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जांच किट्स की कोई कमी नहीं है। रविवार को देश में 57,474 सैंपल की जांच हुई।

## दिल्ली में शराब दुकानों पर हजारों की लाइन में सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ीं, लाठीचार्ज और ठेके बंद

**नई दिल्ली।** लॉकडाउन के तीसरे चरण में छूट बाद सोमवार को देश की राजधानी दिल्ली में ठेके की दुकानों पर शराब लेने के लिए लोग सुबह से ही लंबी-लंबी लाइनों में खड़े दिखे। हालत यह हो गई कि इन लोगों को न सोशल डिस्टेंसिंग का कुछ ख्याल रहा और कोरोना लॉकडाउन का। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए पूर्वी दिल्ली, मयूर विहार और करोल बाग में न सिर्फ शराब की दुकानें बंद कराई बल्कि कश्मीरी गेट और कृष्णा नगर में तो लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का पाठ पढ़ाने के लिए लाठियां तक चलानी पड़ी।

**सोशल डिस्टेंस नहीं करने के चलते कई शराब की दुकानें बंद**-इधर, पूर्वी दिल्ली में सोशल डिस्टेंस नहीं बनाए रखने के चलते शराब की दुकानें बंद कर दी गई। पूर्वी रेंज के संयुक्त पुलिस कमिश्नर आलोक कमार ने, ÷पूर्वी रेंज की सभी शराब की दुकानें बंद कर दी गई जो आज खुली थी क्योंकि वहां पर सोशल डिस्टेंस को मैंन्टेन नहीं किया जा रहा था। करोल बाग के एसएचओ मनिंदर सिंह ने कहा कि लोग सोशल डिस्टेंस को नहीं बरकरार रख रहे थे इसलिए हमने शराब की दुकानों को बंद करा दिया जबकि कश्मीरी गेट पर

शराब की दुकान के बाहर सोशल डिस्टेंस का पालन कराने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

**सीएम अरविंद केजरीवाल ने दी चेतावनी**-दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लॉकडाउन के तीसरे चरण में छूट के ऐलान के बाद पहले ही दिन लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिस तरह राजधानी में कुछ शराब की दुकानों के बाहर लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन कर लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया है, ऐसे में उन इलाकों से वे लॉकडाउन में दिए छूट के आदेश वापस ले लेंगे और उस इलाके को सील कर दिया जाएगा। दिल्ली सीएम ने कहा कि आज कुछ दुकानों के बाहर जिस तरह का दृश्य देखने को मिला वह दुर्भाग्यपूर्ण था। उन्होंने कहा कि दुकान मालिकों को इस बात की जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जाएगा तो दुकान को बंद कर दिया जाएगा।

**केजरीवाल की दिल्ली वालों से 3 अपील**-अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों से 3 चीजों को सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब भी आप घर से बाहर जाते हैं तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, अपने हाथ को लगातार धोते और उसे सेनिटाइज करते रहे और इसके अलावा मास्क पहनकर निकलें। सरकार के एक अधिकारी के अनुसार केन्द्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के लॉकडाउन के नियमों में ढील देने के बाद शराब की करीब 150 दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है। ये दुकानें सुबह नौ बजे से शाम साढ़े छह बजे तक खुल सकती हैं। राष्ट्रीय राजधानी में 42 दिन बाद शराब की दुकानें खुली हैं। कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए लॉकडाउन के कारण ये दुकानें बंद थीं। दुकानों के खुलते ही बुराड़ी, मयूर विहार, गांधी विहार, रोहिणी और जनकपुरी में बड़ी संख्या में लोग दुकानों के बाहर इकट्ठे हो गए। पुलिस कर्मी भीड़ को नियंत्रित करते दिखे क्योंकि इन दुकानों में एक बार में पांच से अधिक लोगों को जाने की अनुमति नहीं हैं। सरकार ने इन दुकानों को चलाने वाली चार सरकारी एजेंसियों को दुकानों पर मार्शल तैनात करने को भी कहा है।

### 24 घंटे में कोरोना वायरस से देश में 83 लोगों की मौत, 2573 नए मामले: अब तक कुल 42836 मरीज, 1389 मौतें

**नई दिल्ली।** भारत में विदेशी नागरिकों सहित कोरोना वायरस महामारी से संक्रमित होने वालों की संख्या सोमवार (4 मई) को बढ़कर 42,836 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में कहा कि देश में कोविड-19 संक्रमण के चलते 1389 मौतें हुई हैं और वर्तमान में कुल 29,685 व्यक्ति महामारी से संक्रमित हैं। वहीं, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2573 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 83 लोगों को इस वायरस की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना से संक्रमित 692 लोगों के स्वस्थ होने के साथ ऐसे लोगों की संख्या 11762 (1 माइग्रेटेड) पर पहुंच गई है।

**महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मौत**-स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार (4 मई) शाम 5 बजे जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में अब तक 548 मौतें हुई हैं, जबकि मध्यप्रदेश में 165 लोगों को इस वायरस ने लील लिया है। वहीं, गुजरात में संक्रमण के चलते 290 और दिल्ली में 64 लोगों की जान गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक मामले 12974 महाराष्ट्र से ही आए हैं। इसके बाद 5428 मामलों के साथ गुजरात दूसरे, जबकि 4549 मामलों के साथ दिल्ली तीसरे और 3023 केस के साथ तमिलनाडु चौथे स्थान पर है।

### बॉयज लॉकर रूम मामला: महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस और इंस्टाग्राम को भेजा नोटिस, मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** फोटो शेयरिंग सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर एक चैट ग्रुप द्वारा नाबालिग लड़कियों की फोटो का गलत इस्तेमाल करने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस और इंस्टाग्राम को इस संबंध में नोटिस जारी किया है। वहीं दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी है कि वे इस मामले में जांच शुरू कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम में इस चैट ग्रुप से संबंधित जानकारी मांगी गई है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक बॉयज लॉकर रूम नाम से कुछ लोगों ने चैट ग्रुप बना रखा था। इसके जरिए नाबालिग लड़कियों की तस्वीरें साझा की जा रही थीं और उन्हें ऑब्जेक्टिफाइड किया जा रहा था। दक्षिण दिल्ली की एक लड़की द्वारा सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट साझा करने के बाद इस चैट ग्रुप के साथ ऐसे ही अन्य ग्रुप के बारे में जानकारी सामने आई और इस मामले पर लोगों की नजर गई। लड़की ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, दक्षिण दिल्ली के 17-18 साल की उम्र के लड़कों का एक ग्रुप है, जिसका नाम बॉयज लॉकर रूम है, जहां कम उम्र की लड़कियों की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक बनाया जा रहा था। मेरे स्कूल के दो लड़के इसका हिस्सा हैं। लड़की ने समूह में शामिल लड़कों की सूची और उनके चैट के स्क्रीनशॉट को भी साझा किया, जहां उन्हें लड़कियों की तस्वीरें साझा करते हुए और उन पर टिप्पणी करते हुए देखा जा सकता है। इस ग्रुप में वे गैंगरेप करने की योजना बनाते भी देखे जा रहे हैं।

## मनुष्य में कोविड-19 का पता लगाने के लिए किया जा सकता है कुत्तों का इस्तेमाल

**वाशिंगटन।** अमेरिका के वैज्ञानिकों का कहना है कि मनुष्य की लार और मूत्र के नमूनों को सूंघ कर कोविड-19 बीमारी का पता लगाने के लिए वे कुत्तों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा विभाग के अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम में गंध पहचानने की क्षमता वाले कुत्तों का प्रयोग यह पता करने के लिए किया जाएगा कि कौन से नमूने कोविड-19 बीमारी से ग्रसित मरीजों के हैं और कौन से नहीं। अनुसंधानकर्ताओं ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि कुत्तों में 30 करोड़ घ्राण कोशिकाएं होती हैं जबकि मनुष्यों में केवल 60 लाख।इसलिए बीमारी का पता लगाने में कुत्ते विशेष रूप से सहायक हो सकते हैं। इस अध्ययन के द्वारा कुत्तों की सहायता से उन लोगों में कोविड-19 का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा जिनमें इस बीमारी के लक्षण नहीं दिखाई देते।

अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार सूंघकर कोविड-19 का पता लगाने में सक्षम कुत्तों का इस्तेमाल

अस्पताल या व्यावसायिक इमारतों में किया जा सकेगा जहां बीमारी की जांच करना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित कुत्तों द्वारा मनुष्यों की आरंभिक जांच करने प्रकिया जुलाई से शुरू की जा सकती है। पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा विभाग में प्रोफेसर सिंथिया ओटो का कहना है, ÷गंध पहचानने वाले कुत्ते वोलेटाइल ऑर्गेनिक यौगिकों (वीओसी) की अल्प मात्रा का सटीकता से पता लगा सकते हैं। इस प्रकार के यौगिक अंडाशय के कैंसर, बैक्टीरिया जनित संक्रमण और नाक के ट्यूमर में पाए जाते हैं। ये यौगिक मनुष्य के रक्त, लार, मूत्र और सांस में भी होते हैं। ओटो ने एक वक्तव्य में कहा, इन कुत्तों की क्षमता कोविड-19 का पता लगाने में बहुत कारगर सिद्ध हो सकती है। अनुसंधानकर्ता शुरुआत में आठ कुत्तों के साथ अध्ययन शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि तीन सप्ताह तक कुत्तों को कोविड-19 बीमारी से ग्रसित मनुष्यों की लार और मूत्र की गंध से परिचित कराया जाएगा। इसके बाद उनका परीक्षण किया जाएगा कि वह सूंघकर कोविड-19 के मरीजों का पता लगा पाते हैं या नहीं।

# पूर्व मंत्री के पत्रों में सिर्फ प्रशासन की ब्लेक मेलिंग की मंशा

## विजयपुर को भय के वातावरण से निजात जरूरी, विजयपुर की बदहाली के लिए पूर्व मंत्री जवाबदार

**श्योपुर--**पूर्व मंत्री रामनिवास रावत द्वारा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को लिखे गए पत्रों को शासन और प्रशासन को ब्लैक मेलिंग की मंशा एवं घटिया सियासत बताते हुए पूर्व विधायक बृज राज सिंह चौहान ने विजयपुर विधानसभा की बदहाली के लिए रावत को पूरी तरह जिम्मेदार बताया है।श्री चौहान ने कहा कि 1993 में कैलाशवासी श्रीमंत माधवराव सिंधिया की कृपा से पहली बार विधायक चुने जाने के बाद फर्स से अर्स पर पहुंचे किन्तु अपनी शक्ति का उपयोग विजयपुर की ज्वलंत समस्याओं के निदान में नही किया गया।बल्कि अरविंद शर्मा जैसे सी इ ओ को बार बार विजयपुर पदस्थ कराकर पूरे अंचल को लूटने और लुटवाने में रहा है। भ्रष्ट कारनामों से उपजे जनाक्रोश के कारण विधान सभा और लोकसभा दोनो में बुरी तरह हारे।उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता द्वारा ज्योतिरादित्य सिंधिया पर व्यक्त किये गए विश्वास के कारण मध्यप्रदेश में गठित कमलनाथ सरकार ,सिंधिया की अनदेखी,चूनावी वायदों को पूरा करने में विफलता एवं अल्पमत के कारण विधायको के दबाव में आकर उन्हें लूट खसोट की खुली इजाज़त देने के पापों और दिग्विजय सिंह की षड्यंत्र कारी राजनीति के नीचे दबकर खत्म हो जाने के साथ ही राम निवास रावत की अधिकारियों एवं शासकीय/निजी परियोजनाओं से जुड़ी एजेंसियो पर दबाव तथा ब्लेक मेलिंग की राजनीति का भी समापन हो गया है । श्री चौहान ने कहा कि सिन्धिया परिवार के रहमोकरम पर सियासत की लंबी पारी में सत्ता और संगठन में तमाम मलाई खा चुके रामनिवास रावत को सिन्धिया के साथ विश्वासघात की सजा देने के लिए जनता पूरी तरह प्रतिबद्ध है । विजयपुर के भाजपा नेता और सिंधिया के वफ़ादार कार्यकर्ता रावत के ख़ौफ़ से बाहर आकर उनके गलत कामो की मुख़ालफ़त करेंगे तो विजयपुर क्षेत्र की सबसे बड़ी सेवा होगी, हम सब मिलकर विजयपुर को प्रगति और विकास के रास्ते पर अग्रसर करे । श्री चौहान ने कहा कि किसान के साथ हुई मारपीट के मामले में किसान को न्याय दिलवाने के लिए कोई पत्र पूर्व मंत्री रावत द्वारा क्यो नही लिखा गया ।

### नायब तहसीलदार कराहल श्री पचौरी भोपाल के लिए कार्यमुक्त

**श्योपुर।** कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा प्रमुख राजस्व आयुक्त भोपाल के निर्देशानुसार नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के कार्य के लिए कराहल में पदस्थ नायब तहसीलदार हरीओम पचोरी को कलेक्टर जिला भोपाल के समक्ष 04 मई 2020 को उपस्थित होने के आदेश गत दिवस जारी कर दिये गये है।

### 04 अपराधियों को बंदी करवाने पर 08 हजार रू. का ईनाम

**श्योपुर।** पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने मप्र पुलिस रेगुलेशन के पैरा क्रमाक 80-बी(1) मे प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए 04 अपराधियों को बंदी करवाने के लिए सही सूचना देने वाले को 08 हजार रूपयें का ईनाम दिया जावेगा। जारी आदेश के अनुसार यह ईनाम सुरेन्द्र पुत्र कान्हा बंजारा, धारा पुत्र कान्हा बंजारा, काशी पुत्र भूरा बंजारा एवं लड्डू पुत्र भूरा बंजारा निवासीगण नयागाव (बरईपुरा) पोहरी जिला शिवपुरी पर थाना आवदा में अपराध क्रमांक 18/20 धारा 363, 366, 376, 376 (2 एन), 376(3), 120बी भादवि, 3/4, 5/6 पॉक्सों एक्ट के अंतर्गत क्रमशः 2-2 हजार रूपये कुल 08 हजार रूपयें का ईनाम घोषित किया गया है।

## रक्तदान करके की गर्भवती महिला की मदद

**भिंड।** देश में इस महामारी में भी लोग कर रहे रहे अपने देश की रक्षा इस कठिन बक्त पर एक महिला गर्ववती थी जिसे रक्त की अति आवश्यकता थी जिनका रक्त समूह था जिन्हें द्वठु3 यूनिट रक्त की जरूरत थी इस कठिन समय में समाज के हित में लड़ने वाले हनी जादौन ने आकर रक्त दिया। इंसानियत आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

### लोक डाउन में गौ सेवकों द्वारा घायल व बीमार गौ माता की सेवा निरन्तर जारी

**श्योपुर।** गौ सेवको द्वारा घायल व बीमार गौ माता की सेवा निरंतर जारी ब्लॉक कॉलोनी में गौ माता बीमार होने से कल से उठ नही पा रही थी ग्रामीण किराना स्टोर के संचालक पवन बंसल सौरभ सोनी व, मोहल्ले वासियो द्वारा गौ माता की सेवा की जा रही थी। बीमार गौ माता की सूचना मिलते ही तुरंत पहुँचे गौ सेवक बीमारगौ माता का गौ सेवक राधे पचोरी ने किया उपचार गौ सेवको ने मोहल्ले वासियो के सहयोग से गौ माता को खड़ा कर दिया है गौ माता के चारे पानी की व्यवस्था मोहल्ले वासियो द्वारा की जा रही है। ।सेवा कार्य मे संजीव तिवारी पवन बंसल गौरव आचार्य,दिलीप जाट व मोहल्ले वासियों का सहयोग रहा।

## यह कैसी व्यवस्था? कारंटाइंड एरिया के कंट्रोल रूम पर मात्र एक आरक्षक उपस्तिथ

**बड़ोदा।** राजस्थान के भंवरगढ़ की बालिका सलोनी सोनी को कोरोना पॉजिटिव निकलने की बाद बड़ौदा की 8 गलियों सहित 170 परिवारों को प्रशासन द्वारा शील्ड किया हुआ है, क्योंकि सलोनी 24 तारीख से 18 अप्रैल तक बड़ौदा वार्ड क्रमांक 10 में अपने नाना के यहां रुकी हुई थी, चुकीं सील्ड एरिया के लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल सकते, ऐसी परिस्थिति में प्रशासन ने लोगो की सहूलियत के लिए अमर्जेंसी सुविधाओं सहित रोजमर्रा की सामग्रियों हेतु कंट्रोल रूम बना रखा है , लेकिन प्रशासन द्वारा कराए गए व्यवस्था पर वार्ड के लोगों ने आरोप लगाया है कि कल रात्रि को श्रीमती निर्मला सेन पत्नी श्री नरेंद्र सेन उम्र 34 वर्ष को रात्रि को लगभग 2-30 बजे प्रसव पीड़ा हुई इसके चलते हम, कंट्रोल रूम गए लेकिन कंट्रोल रूम पर एक पुलिस आरक्षक मिला और नगर परिषद व तहसील से कोई भी व्यक्ति उपस्थित नहीं था , ऐसे में हम ने अपनी परेशानी आरक्षक को ही बताई, तो उन्होंने 108 पर फोन लगाने के बारे में कहा हम लोगों द्वारा 108 पर फोन लगाया गया लेकिन 108 से जवाब आया कि अभी ड्राइवर हमारे पास उपस्थित नहीं है ! जब ड्राइवर कॉल उठा लेगा तो हम आपको 108 उपलब्ध करा देंगे ! ऐसे में पीड़ित महिला की स्थिति को देखते हुए महिला के पति नरेंद्र सेन द्वारा पास से मिलने वाली व्यक्ति की एक गाड़ी लेकर उक्त महिला को हॉस्पिटल ले गए, जहां पर एक नर्स के अलावा कोई भी डॉक्टर उपस्थित नहीं थे ! ऐसे में समाज सेवी नरेंद्र गुप्ता द्वारा कंट्रोल रूम श्योपुर दो बार कॉल किया गया लेकिन दोनों बार कोई जवाब नहीं आया,वहीं ये भी देखा गया कि 108 गाड़ी हॉस्पिटल के सामने ही खड़ी हुई थी , लेकिन ड्राइवर गायब था ! जब हॉस्पिटल पर उपस्थित महिला नर्स ने हॉस्पिटल की स्थिति को भांपते हुए महिला को 21 किलोमीटर श्योपुर के लिए रेफर कर दिया तो निजी गाड़ी द्वारा ही महिला को श्योपुर ले जाया गया श्योपुर जाते वक्त महिला की डिलीवरी बड़ौदा से 13 किलोमीटर दूर चंद्रपुरा के पास में ही हो गई , फिर उसको श्योपुर हॉस्पिटल पहुंचाया गया जहां उसे अभी भर्ती कराया गया है।

### क्या इन सवालों के जवाब मिल सकेंगे

- जब महिला की डिलीवरी रास्ते में नॉर्मल हो गई तो रेफर क्यों किया गया ! जबकि जच्चा बच्चा स्वस्थ है !
- 108 गाड़ी उपलब्ध होने के बाद भी ड्राइवर ने फोन क्यों नहीं उठाया !
- कंट्रोल रूम को बार-बार फोन लगाने पर भी कंट्रोल रूम से जवाब क्यों नहीं दिया गया!
- एक पुलिस आरक्षक को छोड़कर नगर परिषद तहसील का एक भी कर्मचारी कारंटाइंड एरिया के पास कंट्रोल रूम में नहीं था !

### इनकी भी सुने

वार्ड वासी समाजसेवी नरेंद्र गुप्ता - हमारे एरिया को सील्ड तो कर दिया लेकिन कंट्रोल रूम के माध्यम से हमें कोई सुविधा प्रदान नहीं की जा रही चारों तरफ गंदगी का आलम है आवश्यक सामग्री सब्जियां फल वगैरा भी खराब मिल रहे हैं वही रात को सब जतन करने के पश्चात भी हम सब लोगों को प्रसूता महिला को श्योपुर ले जाना पड़ा जबकि उसकी डिलीवरी नॉरमल रास्ते में ही हो गई !

**नरेंद्र सेन प्रसूता के पति**

मैने 108 पर फोन लगाने के बाद भी जब ड्राइवर नहीं मिला तो हम निजी गाड़ी करके अस्पताल पहुंचे जहां पर हमें डॉक्टर नहीं मिले, एक नर्स ने मेरी पत्नी को देखते ही श्योपुर के लिए रेफर कर दिया जबकि डिलीवरी रास्ते में ही नॉर्मल हो गई

### इनका कहना

जैसा कि वार्ड के लोग इल्जाम लगा रहे हैं ऐसी कोई बात नहीं है हमारी नर्स वहां पर उपस्थित थी उसी ने महिला की स्थिति को भांपते हुए श्योपुर के लिए रेफर किया था।

**बीएमओ- सियाराम मीणा**

# श्योपुर के प्रवासी मजदूरों को भारी पड़ा लॉकडाउन

**श्योपुर।** आये थे हरिभजन.को ओटन लगे कपास यह कहावत श्योपुर के प्रवासी मजदूरों पर खरी उतर रही है श्योपुर से तो यह सोच कर प्रवास पर गये थे कि भविष्य के लिए कुछ पैसा जोड कर लायेंगे पर होनी को कुछ और ही मंजूर था कुछ दिन सब कुछ ठीक चला पर फिर आया कोराना का कहर और फिर उससे बचने को घोषित लॉकडाउन बिना यह सोचे कि काम बंद होने पर घर से दूर बैठे इन मजदूरों का क्या होगा यह कदम इन पर दुर्भाग्य बनकर टूटा कुछ दिन तो बचे पैसों से काम चलाया फिर राशनपानी का संकट पैदा हो गया तब संकट मोचन के रूप में उन्हें नजर आई एकता परिषद और उन्होंने महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रबंधक जयसिंह भाई से संपर्क कर मदद.की गुहार लगाई और उन्होंने स्थानीय संपर्क और प्रशासन के माध्यम से उनके राशनपानी की व्यवस्था करवाई पर जगह जगह अस्थायी ठिकाना बनाकर रह रहे मजदूरों का बस यही आग्रह रहता था कि हमें अपने गांव पहुंचाओ जयसिंह भाई के अथक प्रयासों तथा मप्र व राजस्थान सरकार की सदिच्छा से इन मजदूरों के अपने घरों पर आने का सिलसिला प्रारंभ हुआ और श्योपुर सहित विभिन्न जिलों के लगभग 5000 मजदूर अपने घर पहुंच गये। पर अभी भी जैसलमेर मे 700 मजदूर आने को तैयार बैठे थे कि राजस्थान सरकार ने अपने हाथ वापस खींच लिये 3 दिन तक इन मजदूरों ने बसों का इंतजार किया पर बसें इन्हें लेने नहीं पहुंची इसपर उन्होंने अपने मददगार जयसिंह भाई को इस बात की जानकारी दी तथा पैदल कलेक्टर कार्यालय की और चल दिये उधर जयसिंह भाई ने श्योपुर कलेक्टर को इस बात की जानकारी दी जिन्होंने इस बारे में कार्यवाही का आश्वासन दिया उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री को भी एक पत्र इस जानकारी के साथ लिखा तथा उनसे इन मजदूरों की वापसी के लिये मदद को कहा जयसिंह भाई ने सी एम हाउस के कन्ट्रोल रूम को सम्हाल रहे ए आई सी सी सदस्य संजय बाफना जी से भी बात की जिन्होंने मदद का आश्वासन दिया तथा मजदूरों के नंबर लिए लेकिन स्थानीय प्रशासन ने उन्हें भी गुमराह कर दिया कि हमने बसे कर दी ये नही बताया कि किराये की जिसकी सूचना जयसिंह भाई द्वारा संजय बाफना जी को भी दी। जिस सरकार ने हजारो मजदूरों को उनके घर कई राज्यो में पहुचाया आखिरी में स्थानीय कुछ अधिकारियों ने उनकी थू थू कराने में कोई कसर नही छोड़ी।

### कमाया सो खाने में गंवाया अब उधार लेकर हुए वापिस राजस्थान सरकार के अधिकारियों ने भी खडे किये हाथ प्रायवेट बसों को कई लाख रुपये किराया देकर आयेंगे मजदूर

### बस मालिक ने उठाया मजबूरी का लाभ प्रशासन ने भी नहीं किया हस्तक्षेप

देश पर आई इस विपत्ति मे जहां एक और लोग एक दूसरे की मदद मे लगे है कामधंधे बंद होने से परेशान लोगों की हर तरह से मदद कर रहे हैं वहीं ऐसे लोग भी कम नहीं है जो लोगों की मजबूरी का फायदा उठाने में पीछे नहीं है ऐसा ही नजरिया रहा इन मजदूरों को श्योपुर लाने वाले प्रायवेट बस मालिक का जो तैयार तो हुआ पर इन बेबस मजदूरों से उसने बस किराये के रूप में प्रति सवारी 1000 रु वसूल कर लिए जबकि चाहता तो वह इन्हें निःशुल्क भी घर छोड सकता था या किराये में कुछ रियायत दे सकते थे उसे दुःखद बात तो यह रही कि प्रशासन ने भी इसमें कोई दखल नहीं दिया ऐसा दिखा कि यह सब उनकी मिलीभगत से ही हुआ जिसके फलस्वरूप इन्हें प्रति सवारी 1000 रु किराया दना पड़ा

### मरता क्या न करता

जयसिंह जादोन की पहल द्वारा स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से सूखा राशन उपलब्ध हो जाने के कारण बचे कुछ पैसे बस किराए के रूप मे देने को तैयार हो गये. जिनके पास पैसे नहीं बचे थे उन्होंने साथियों से उधार लेकर किराया अदा किया लगातार बढ रहे लॉकडाउन के कारण वे जैसे भी हो अपने घर पहुंचना चाहते थे मजदूरों का कहना था कि वे आज रात को श्योपुर पहुंच जायेंगे। चम्बल नदी सीमा पार समरसा चौकी पर चेकअप के तुरंत बाद श्योपुर की बसों में बिठाकर श्योपुर शहर में शेल्टर होटल से भोजन पैकिट दिलाकर उनके गावो तक पहुचा ने की तैयारी जिला प्रशासन श्योपुर ने करली है उसमे महलोनि पोहरी शिवपुरी के भी 60 है।

### एडवोकेट राकेश सिहं जाट, बिजली विभाग श्योपूर टाउन के जे.ई नरेन्द्र गयारी हितेश नागर ने किया जरूरतमंद महिला व बालिका के लिए रक्तदान

**श्योपुर।** लॉकडाउन में जरूरतमंदो के रक्षक बने रक्तदानी जिला चिकित्सालय श्योपूर में बड़ोदा की महिला उषा बेरवा जिला चिकित्सालय में भर्ती थी महिला का हीमोग्लोबिन 6 पॉइंट रह गया था ऑपरेशन के लिए महिला को एबी पॉजिटीव रक्त की तत्काल जरूरत थी वही थैलीसिमिया से पीड़ित बालिका दिव्यांशी को एबी पॉजिटीव ब्लड की जरूरत थी वही राडेप के एक बुजुर्ग को डायलिसिस के लिए ए पॉजिटीव ब्लड की तत्काल जरूरत थी ब्लड डोनर्स ग्रुप के एडमिन चाइल्ड टीम सदस्य ने रक्त की जरूरत का मैसेज सोशल मीडिया व व्हाट्सएप ग्रुप पर डाला रक्त की जरूरत का मैसेज देखकर बिजली विभाग के सिटी के जे ई नरेंद्र गयारी एडवोकेट राकेश सिहं जाट, बड़ौदा निवासी हितेश नागर नगदी निवासी गिर्राज जाटव ने जिला चिकित्सालय पहुँचकर किया जरूरतमंद महिला व बालिका के लिए किया रक्तदान सभी रक्तदानियों की परिजनों ने की सरहना।इस अवसर पर बिजली विभाग में पदस्थ श्योपूर सिटी के जे.ई संदीप डूडी भारत भूषण अरिवंद पटेल प्रतीक नाटेकर राजकुमार अकोदिया

### एमजीएस संस्था द्वारा गांव जा जाकर बच्चों को बताया जा रहा है हाथ धोने का सही तरीका

**श्योपुर।** जिला श्योपुर के कराहल ब्लॉक के उधमपुर गांव में महात्मा गांधी सेवा आश्रम के द्वारा चलाए जा रहे पोषण समृद्ध ग्राम परियोजना के तहत आज उदमपुरा गांव में कोरोना वायरस से बचाव के लिए घर घर जाकर लोगों को सोशल डिस्टेंस और हाथ धोने के तरीको के बारे में बता रहे हैं। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रशांत ने महिलाओं से चर्चा की और उनको बताया की घर पर रहे सुरक्षित रहें. नियमित अंतराल में हाथ धोने, सोशल डिस्टेंस के बारे में बताएं कि 1 मीटर की दूरी बनाए रखें और स्कूली बच्चों को हाथ धोने के लिए साबुन, मार्क्स वितरण किए गए. हाथ धोने का तरीका भी बताया गया. कृषि विशेषज्ञ आशीष यादव , टुंडा राम लांगुरिया ,मोहन सिंह कुशवाह दुर्गा कुशवाह मनीष जारोलिया अमित शर्मा गांव जा जाकर हाथ धोने का डेमोंसट्रेशन करवाया जा रहा है और देसी तरीके से बनाया गया हाथ धोने के लिए टीपी टॉप जिससे खेल खेल में बच्चे हाथ धो सकें और बीमारियों से बच सकें।

# कलेक्टर-एसपी ने उपार्जन केन्द्र विजयपुर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

## खरीद कार्य को निर्धारित अवधि में पूरा करने के दिये निर्देश, किसानो से चर्चा कर बेची गई फसल की ली जानकारी

**श्योपुर--**कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल एवं पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने संयुक्त रूप से विजयपुर पहुंचकर उपार्जन केन्द्र पर व्यवस्था का आज जायजा लिया। साथ ही खरीद कार्य के लगे कर्मचारियों को निर्धारित अवधि में कार्य को पूरा करने के दिशा निर्देश दियें। उन्होने विजयपुर खरीद केन्द्र पर किसानो से चर्चा कर गेहू, चना, सरसों की फसल बेचने की जानकारी ली। साथ ही खरीद केन्द्र पर खरीदी जा रही फसल तुलाई कार्य का भी अवलोकन किया।

इसी प्रकार खरीद केन्द्र पर कर्मचारियो को समझाइश दी कि नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अंतर्गत जिले में तृतीय चरण का आंशिक लॉकडाउन 17 मई तक जारी है। जिसके अंतर्गत किसानो से उनकी फसल एसएमएस के अनुसार खरीदी जावे। साथ ही फिजीकल डिस्टेसिंग का ध्यान रखा जावे। इसी प्रकार खरीद केन्द्र पर किसान मास्क पहनकर आवें। उन्होने कहा कि खरीद केन्द्र पर लगे कर्मचारी भी मास्क का नियमित रूप से उपयोग करे। साथ ही खरीद केन्द्र पर पानी, छाया के अलावा हाथ धोने का साबुत तथा सेनेटाईजर रखा रहना चाहिए। जिससे केन्द्र पर आने वाले कर्मचारी और किसान समय-समय पर हाथ धोने के लिए सहायक बन सकें।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल एवं पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने खरीद केन्द्र पर अपनी फसले बेचने आये किसानो से चर्चा की एवं तुलाई कार्य की जानकारी प्राप्त की। साथ ही किसान की तुलती हुई फसल देखी। उन्होने कहा कि किसानो से गेहू, चना, सरसो खरीदने के लिए एसएमएस छोडे जा रहे है। जिस तिथि का एसएमएस प्राप्त हो, उसी दिनांक को किसान अपनी रबी फसल बेचने के लिए केन्द्र पर पहुचें। जिससे तुलाई कार्य में आसानी होगी। साथ ही व्यवस्थित तरीके से किसान अपनी फसल बेचने में सहायक होगा। इसी प्रकार बिना एसएमएस के खरीद केन्द्र पर कोई भी किसान अपनी ट्राली नही लावे। जब किसान को एसएमएस प्राप्त तभी खरीद केन्द्र पर अपना सामान बेचने के लिए पहुचें। किसानो की सुविधा के लिए खरीद केन्द्रो पर अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही खरीदे गये माल का भण्डारण करने की सुविधा दी गई है। कलेक्टर-एसपी ने कहा कि खरीद केन्द्र पर पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। किसान अपनी फसल शांतिपूर्वक बेचने की सुविधा का लाभ उठावे। साथ ही आपस में किसी भी प्रकार की लडाई, झगडा नही करें। बल्कि पुलिस और प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारियों का सहयोग करते हुए अपनी फसल का विक्रय करें। उन्होने खरीद केन्द्र पर इलेक्ट्रोनिक काटे बोरी में माल भरने की व्यवस्था तथा खरीदी गई फसल का भी अवलोकन किया। इस दौरान विजयपुर एसडीएम त्रिलोचन गौड़, तहसीलदार अशोक गोबाडिया, नायब तहसीलदार कु. रेखा कुशवाह एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

1) मुंबई में लॉकडाउन के दौरान रहवासियों को कोविड केयर सेंटर में शिफ्ट किया गया तो उन्होंने प्रदर्शन किया। 2) नई दिल्ली में लॉक डाउन के बीच भोजन करते रेलवे सैनिटेशन वर्कर। 3) नई दिल्ली में लॉक डाउन के दौरान जरूरतमंदों को रोटी का वितरण करते दिल्ली के लोग।

– महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे वर्ली सीट से ही विधायक हैं, थाने में ही रह रहे 200 पुलिसकर्मी –

# मुंबई के 50 डॉक्टर समेत 150 कर्मचारी महीनेभर से घर ही नहीं गए, वर्ली में 700 से ज्यादा मरीज, गैस कर्मचारी अब पीपीई किट पहनकर बांट रहे सिलेंडर

मुंबई ■ एजेंसी

वर्ली यानी मुंबई का वो इलाका, जो अपनी कॉर्पोरेट गतिविधियों के लिए देशभर में चर्चित है। लेकिन आज यह देश का सर्वाधिक कोरोना संक्रमित इलाका बन गया है। इस एक इलाके जी-दक्षिण मनपा वार्ड में कोरोना के 700 से ज्यादा मरीज हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे वर्ली सीट से ही विधायक हैं। लिहाजा कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच राज्य सरकार का पूरा महकमा यहां नियंत्रण करने में दिन-रात जुटा है। इस वार्ड में करीब 100 कंटेनमेंट जोन हैं। वर्ली इलाके के मेडिकल ऑफिसर देवेंद्र गोल्लर की टीम में शामिल डॉ. सतीश बडगिरे बताते हैं कि जी-दक्षिण वार्ड में इस वक्त मरीजों की संख्या करीब 743 हो गई है। इनमें 244 को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

कोरोना का संक्रमण रोका जा सके इसके लिए सहायक मनपा आयुक्त शरद उघडे पिछले एक महीने से घर नहीं गए हैं। उनसे प्रेरणा लेकर इसी तरह यहां के करीब 50 डॉक्टर और सिविल इंजीनियर सहित कुल 150 कर्मचारी भी घर न जाकर दिन-रात कोरोना को नियंत्रित करने में जुटे हुए हैं। डॉ. बडगिरे बताते हैं कि वर्ली इलाके में डॉक्टर आपके द्वार योजना के तहत रोजाना 5-6 कैंप लगते हैं। जिसमें लगभग 500-600 लोगों की स्क्रीनिंग की जाती है। इसके अलावा इलाके के 5 हजार से अधिक लोगों को रोजाना कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

### 15 दिन से थाने में ही रह रहे इंस्पेक्टर

गैस एजेंसी के कर्मचारी भी पीपीई किट पहनकर सिलेंडर घरों तक पहुंचा रहे हैं। वर्ली थाने के सीनियर इंस्पेक्टर सुखलाल वर्पे बताते हैं कि हमने कोरोना को कंट्रोल में लाने के नियमों का कड़ाई से पालन किया। हमारे यहां 200 का स्टाफ है। मैं खुद 15 दिन से पुलिस स्टेशन में ही रह रहा हूं। सहायक मनपा आयुक्त शरद उघडे बताते हैं कि वर्ली कोलीवाड़ा के 9000 से अधिक घरों के 34 हजार से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की गई। यहां शुरू में 10 दिनों में मरीज संख्या दोगुनी हो रही थी, अब 18 दिन लग रहे हैं। आदर्श नगर के 2 हजार से अधिक घरों के 8,700 लोगों की स्क्रीनिंग की गई।

### इंडियन एयरफोर्स के फाइटर प्लेन ने मरीन ड्राइव पर किया फ्लाई पास्ट

**मुंबई।** देश में एक तरफ कोरोना वॉरियर्स पर हमले हो रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ इन योद्धाओं का सम्मान भी किया जा रहा है। आर्म्ड फोर्सेस ने रविवार को कोरोना वारियर्स को सम्मान देने की तैयारी की थी। इसी कड़ी में रविवार को मुंबई के मरीन ड्राइव पर तीन डियन एयरफोर्स के लड़ाकू विमान ने फ्लाई पास्ट किया। इसके अलावा मुंबई में भारतीय वायुसेना ने 'कोरोना योद्धाओं' के प्रति आभार प्रकट करने के लिए नेवी अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों पर फूल बरसाए गए। वहीं, 1:15 बजे मरीन ड्राइव में परिवहन विमान फ्लाई पास्ट किया। पुणे शहर में भी सदन कमांड की ओर से मिठाई बांटकर और केक काटकर स्वास्थ्यकर्मियों का सम्मान किया गया।

**फ्लाई पास्ट इंडियन एयरफोर्स के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और फाइटर जेट से हुए**

कार्यक्रम को लेकर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में इंडियन आर्मी, इंडियन एयरफोर्स और इंडियन नेवी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले डॉक्टर्स का सम्मान करने की खास तैयारी की। इंडियन एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट फ्लाइट पास्ट किया तो वहीं आर्मी के बैंड परफॉर्म कर कोरोना वॉरियर्स को धन्यवाद किया। इंडियन एयरफोर्स फ्लाई पास्ट के दौरान अस्पतालों पर फूलों की बारिश की गई। ये फ्लाई पास्ट इंडियन एयरफोर्स के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और फाइटर जेट से हुए।

## राजस्थानः 60 नए संक्रमिते, 3 की मौत, झुंझुनूं में पॉजिटिव रिपोर्ट आते ही भाई के साथ बाइक पर भागा स्वास्थ्यकर्मी

- अजमेर में संक्रमण से शनिवार सुबह पहली मौत हुई, अब तक अंतिम संस्कार नहीं किया गया
- प्रदेश में संक्रमण के सबसे ज्यादा केस जयपुर में हैं, यहां 982 लोग पॉजिटिव मिल चुके

जयपुर ■ एजेंसी

राजस्थान में रविवार को कोरोना संक्रमण के 60 नए केस सामने आए। इनमें जोधपुर में 27, जयपुर में 17, उदयपुर में 5, चित्तौड़गढ़ में 3, भरतपुर, अजमेर और प्रतापगढ़ में 2-2, कोटा और डूंगरपुर में 1-1 पॉजिटिव मिला। राज्य में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2832 पहुंच गया। जयपुर में 2 और प्रतापगढ़ में 1 की जान गई।

प्रदेश में अब तक 71 लोगों की कोरोना से मौत हो गई। झुंझुनूं जिले के चिड़ावा का एक युवक हरियाणा के फरीदाबाद के अस्पताल में काम करता है। उसका और उसके भाई का 29 अप्रैल को फरीदाबाद में कोरोना सैम्पल लिया गया। अगले ही दिन 30 अप्रैल को दोनों भाई बाइक से यहां चिड़ावा स्थित अपने घर आ गए। देर शाम पॉजिटिव रिपोर्ट आने की सूचना मिलते ही दोनों फरार हो गया। सैम्पल लेने के बाद ही इन्हें फरीदाबाद में होम क्वारैंटाइन किया गया था। प्रशासन अब इनकी तलाश में जुटा है। इनके परिवार के 5 सदस्यों को क्वारैंटाइन सेंटर भेजा गया है।

### अजमेरः मृतक के परिवार के 5 लोग पॉजिटिव

अजमेर में 45 साल के जिस व्यक्ति की मौत हुई, वह डायबिटीज, गुर्दे और कीटोएसीडोसिस की बीमारी से भी पीड़ित था। वह करीब एक हफ्ते से डायलिसिस और वेंटीलेटर पर था। उसके माता-पिता, पत्नी और 2 बच्चे भी कोरोना पॉजिटिव हैं। उनका इलाज जेएलएन अस्पताल में ही चल रहा है।

### अस्पताल की मॉचुरी के बाहर पड़ा रहा शव

अजमेर में शनिवार दोपहर कोरोना संक्रमण से पहली मौत हुई। इसके बाद शव करीब एक घंटे तक जेएलएन अस्पताल की मॉचुरी के बाहर पड़ा रहा। दोपहर 12.30 बजे इसे डीप फ्रीजर में रखा गया। प्रशासन 23 घंटे बाद अब तक तय नहीं कर सका कि अंतिम संस्कार कब और कैसे कराना है।

## नहाने के दौरान तालाब में डूबी चार बच्चियां, तीन की मौत

**मधुबनी।** देश में कोरोना की महामारी की दहशत के बीच मधुबनी में रविवारी के त्यौहार को लेकर कुछ परिवारों में हंसी-खुशी का माहौल था,लोग कुछ देर के लिए कोरोना के डर को भूलाकर पूजा-पाठ की तैयारियों में जुटे था लेकिन बाबूबरही थाना इलाके में त्यौहार की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गई तब तालाब में नहाने के दौरान 3 बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घर में पूजा संपन्न होने के बाद पूजा सामग्री के विसर्जन के लिए घर की महिलाएं तालाब पर पहुंची थीं इसी दौरान उनके साथ आई कुछ बच्चियां तालाब में नहाने लगी लेकिन पानी अधिक होने की वजह से 4 बच्चियां डूब गई। हालांकि शोर मचाने के बाद लोगों ने एक बच्ची को किसी तरह बाहर निकाला, लेकिन तीन बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। मृतिका की पहचान प्रीति कुमारी, ममता कुमारी और सुधा कुमारी के रूप में हुई है। तीनों बच्चियों की उम्र महज 8 से 10 वर्ष के बीच की है। घटना के बाद से इलाके में मातम पसरा है।

हंदवाड़ा एनकांउटरः शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा की पत्नी ने कहा

# शहादत पर शोक नहीं जताऊंगी, यह उनका निर्णय था, हमें इसका सम्मान करना चाहिए

- शहीद कर्नल के भाई ने कहा-सोमवार को जयपुर पहुंचेगी पार्थिव देह, यहीं होगा अंतिम संस्कार
- हंदवाड़ा में जंगली इलाके से 3 किमी दूर छाजीमुल्लाह गांव में हुई आतंकियों से मुठभेड़

जयपुर ■ एजेंसी

हंदवाड़ा में शनिवार रात से जारी एनकाउंटर में सेना की 21 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आशुतोष शर्मा समेत 5 जवान शहीद हो गए। कर्नल आशुतोष शर्मा की पत्नी ने कहा- मुझे गर्व है कि मेरे पति अपने देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए हैं। उनकी शहादत पर आंसू नहीं बहाउंगी। देश के लिए कुर्बान होना सम्मान की बात है, यह उनका फैसला था, इसका पूरा सम्मान करूंगी।

कर्नल आशुतोष मूलतः यूपी के बुलंदशहर के रहने वाले हैं। बड़े भाई पीयूष शर्मा की नौकरी जयपुर में लगने के बाद पूरा परिवार यहां आ गया था। बुलंदशहर के परवाना गांव में उनका घर और जमीन है। जयपुर में उनकी पत्नी पल्लवी और बेटी तमन्ना के अलावा बुजुर्ग मां, भाई-भाभी और एक बहन भी है।

बड़े भाई पीयूष अजमेर रोड पर जयसिंहपुरा में सेलिब्रेशन विला में रहते है, जबकि उनकी पत्नी पल्लवी व बेटी वैशाली नगर इलाके में रंगोली गार्डन में रहती है। यहीं, उनके ससुराल पक्ष के सदस्य भी रहते है। आशुतोष के परिजनों के रविवार सुबह उनके उनके आतंकियों के एनकाउंटर के दौरान शहीद होने की खबर मिली। इसके बाद उनके परिजनों से बातचीत की।

### आर्मी की यूनीफॉर्म आशु का ड्रीम थी, उनके निर्णय का सम्मान करुंगी

एनकांउटर में कर्नल आशुतोष के शहीद होने का समाचार सुनकर परिवारजनों की एकबारगी आंखें छलक पड़ी। लेकिन, फिर उन्होंने खुद को संभाल लिया। मीडिया से बातचीत में शहीद कर्नल आशुतोष की पत्नी पल्लवी ने बताया कि आर्मी ज्वाइन करने के बाद से आशु का पेशन और ड्रीम सिर्फ उनकी यूनिफार्म थी। उसके आगे कोई भी सॉरी बोले या फिर अफसोस मनाए। यह सही नही है। आशु ने कल रात आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान जो भी किया यह उनका निर्णय था। हमें उनके निर्णय का सम्मान करना पड़ेगा। वे देश के लिए शहीद हुए है। इसलिए हमारी आंखों में गम के आंसू नहीं है। हमें उनकी शहादत पर फक्र है। शहीद कर्नल आशुतोष की पत्नी पल्लवी ने कहा कि उनकी 1 मई को आखिरी बात हुई थी। तब 21 आरआर का 26 वीं वर्षगांठ पर विश देने के लिए फोन किया था। उसके बाद वह ऑपरेशन में चले गए थे।

## नासिक से 800 से अधिक श्रमिकों को लेकर विशेष ट्रेन पहुंची लखनऊ

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के आठ सौ से अधिक श्रमिकों को लेकर महाराष्ट्र के नासिक से चली पहली विशेष ट्रेन रविवार को सुबह छह बजे राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंची। कोरोना वायरस से संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के चलते ये श्रमिक 25 मार्च से नासिक में फंसे हुए थे। देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान किसी दूसरे राज्य से प्रवासियों को लेकर उत्तर प्रदेश आने वाली यह पहली ट्रेन है। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रवासी कामगार श्रमिकों के आगमन को देखते हुए निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के जिलों में कुल 12 से 15 लाख क्षमता के शेल्टर होम और क्वरिंटाइन सेंटर तैयार किए जाएं। अपर मुख्य सचिव गृह, सूचना अवनीश अवस्थी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया था कि उत्तर प्रदेश के मजदूरों को महाराष्ट्र के नासिक से लेकर आने वाली ट्रेन शनिवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे वहां से रवाना हुई थी। उन्होंने बताया था कि महाराष्ट्र और गुजरात में रह रहे उत्तर प्रदेश के मजदूरों को लाने के लिये वहां के अधिकारियों से लगातार बातचीत हो रही है।

## डॉ. सिकरवार ने वार्ड 29 में करीब 2900 गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री वितरण की

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से आज करीब 2900 गरीब परिवारों को वरिश्ठ भाजपा नेता एवं न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री का वितरण किया। यह वितरण नगर निगम के वार्ड क्रमांक 29 के महलगॉव गली नं.1, गली नं.2, गली नं.3, महलगॉव पहाडिया एवं आस-पास के क्षेत्र में किया गया। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय सामग्री वितरण करते हुये कहा कि कोविड-19 (कोरोना) वायरस के कारण जनता को काफी परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है, गरीब परिवारों का भरण-पोशण मजदूरी पर ही निर्भर रहता है, देष में फैलें कोरोना वायरस के कारण पूरे देष में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है क्योंकि इस कोरोना जैसी महामारी के बचने का लॉकडाउन के अलावा और कोई उपाय नही है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र में कोई भी परिवार मेरे होते हुये भूखा नही रहेगा, इस आपदा के समय में मैं आपका बेटा, आपका भाई आपके साथ खड़ा हुआ हूॅ और मैं आपको विष्वास दिलाता हूॅ कि हमारा देष इस महामारी को हरायेगा। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुय लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपायों के बारे में बताया। खाद्यय् वितरण करते हुये डॉ. सिकरवार के साथ वार्ड 29 पूर्व पार्शद मेहताब कंशाना, पवन जैन, प्रमोद जैन, अवधेष कौरव, जितेन्द्र खेमरिया, षाहरूख खान, विजय बहादुर त्यागी, आषीश साहू, कौषलेष कुषवाह, प्रदीप कुषवाह, ॠशि गोले, देवेष गुर्जर, अंकित कठठ्ल, रामकेष कौरव, हिमांषु कीकन, गंगाराम प्रजापति, गिरिष गुप्ता, अभय कुमार सिंह, राजेन्द्र राठी, भुवनेष सारस्वत, गणेष सोनी, लोकेन्द्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

### करोड़ों रूपये की धांधली कर फरार वेयर हाउस संचालक गिरफ्तार

**गोहद।** मंगलम वेयर हाउस का संचालक अरुण शर्मा पुत्र राधेश्याम शर्मा उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड नं 14 सदर बाजार गोहद सेकड़ो किसानों का करोड़ो रूपये का गल्ला की धांधली कर वर्ष 2018 में फरार हो गया था। व आज पुलिस अधीक्षक नागेंद्र सिंह के निर्देशानुसार भिण्ड जिले के इनामी फरारी बदमाशो की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन द्वारा थाना प्रभारी गोहद संजय इक्का व विनोद छावई को फरारी बदमाशो की पकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने निर्देशित किया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार क्राइम ब्रांच प्रभारी विनोद छावई को सूचना मिली कि गोहद से किसानों का करोड़ो रूपये की धांधली कर फरार हुआ बदमाश मेहगांव में मुखबिर द्वारा दिये स्थान पर था। उक्त आरोपी गोहद से 128 किसानों की 8 करोड़ की फसल लेकर फरार हो गया था जिसकी 2 वर्ष से सरगर्मी से तलाश चल रही थी कई स्थानों पर दबिश देने के बाद भी नही पकड़ा गया उक्त आरोपी बहुत शातिर प्रवर्ति का है जिसकी गिरफ्तरी के लिए पुलिस से 10 हजार का इनाम घोषित किया था। उक्त आरोपी पर किसानों के अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक सहित कई बैंको का लोन भी था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग की है।

सलाह — ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्विस के फ्रंटलाइन डॉक्टरों में शामिल हैं डॉ. असीम मल्होत्रा

# भारतीय मूल के डॉक्टर ने कहा- कमजोर खानपान का वायरस से होने वाली मौतों से सीधा संबंध, भारतीय अपनी आदत जल्द सुधारें

लंदन ■ एजेंसी

भारत, अमेरिका और ब्रिटेन समेत दुनिया के कई देश इस वक्त कोरोना महामारी से जंग लड़ रहे हैं। ऐसे में भारतीय मूल के ब्रिटिश डॉक्टर (कार्डियोलॉजिस्ट) ने भारतीयों को तुरंत अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड (पैकेज्ड फूड) छोड़ने की सलाह दी है। उनका दावा है कि कोविड-19 से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण कमजोर खानपान है। कोरोना से मोटे लोगों को ज्यादा खतरा हो सकता है।

डॉ. असीम मल्होत्रा मूलरूप से दिल्ली के रहने वाले हैं। वे ब्रिटेन में नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) के फ्रंटलाइन डॉक्टरों में शामिल हैं। इन दिनों कोरोना से लड़ाई में जीवन शैली बदलने के बारे में जागरुकता फैला रहे हैं। डॉ. असीम ने कहा, भारत में जीवनशैली सें जुड़ीं बीमारियां ज्यादा हैं। खासकर टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग। ये तीन तरह की बीमारी कोविड-19 के लिए बहुत खतरनाक हैं और ये बीमारियां ज्यादा वजन होने से आती हैं। अमेरिका समेत यूरोप के देशों में कोरोना से ज्यादा मौतें हुई हैं। इसका एक कारण यह भी है कि यहां जीवनशैली स्वस्थ रखने वाली नहीं है। इसे जानते सब हैं, लेकिन कहना कोई नहीं चाहता है। ब्रिटेन और अमेरिका में 60 प्रतिशत से अधिक वयस्क लोग ज्यादा वजन वाले हैं। अमेरिका में 8 में से एक ही आदमी मेटाबॉलिकली स्वस्थ होता है। इसका मतलब यह है कि उसका ब्लड प्रेशर सामान्य है और वजन भी उचित है। केवल खानपान सुधारकर कुछ हफ्तों में ही मेटबॉलिज्म सही कर सकते हैं। डॉ. असीम ने कहा कि भारत के खानपान में कार्बोहाइड्रेट का बहुत ज्यादा सेवन होता है।

### टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को 10 गुना ज्यादा खतरा

साइंस जर्नल नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया गया है कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने से मौत का खतरा 10 गुना बढ़ जाता है। डॉ. असीम ने चेतावनी दी है कि टाइप-2 डायबिटीज के लिए दी जाने वाली दवाएं जीवनकाल बढ़ाने और मौत के जोखिम को कम करने में बहुत कम फायदा पहुंचाती हैं। इनका साइड इफेक्ट भी होता है, जिसके बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि मेरे कहने का ये मतलब नहीं है कि दवा लेनी बंद कर दी जानी चाहिए, लेकिन जीवन शैली में बदलाव कर स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाला जा सकता है।

**भारतीय लोग ऐसा भोजन तुरंत छोड़ दें:** डॉ. असीम ने अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स (पैकेज्ड फूड) को छोड़ने के लिए कहा है। इस तरह के फूड में सुगर, स्टार्च, खराब ऑयल और फूड को सुरक्षित बनाए रखने के लिए डाले गए केमिकल से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ब्रिटेन में खाद्य पदार्थों का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पैकेज्ड फूड ही है। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय लोगों को सलाह देना चाहता हूं कि तुरंत ही इस तरह के खाने को छोड़ देना चाहिए।

संपादकीय

## बंदी में बदहाल

कोरोना का चक्र तोड़ने के लिए सुरक्षित दूरी बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए समूह में निकलने की इजाजत नहीं है। लोग जहां हैं, उन्हें वहीं रहने की हिदायत दी जा रही है। जो इसका पालन नहीं कर रहे, उन पर दबाव बना कर घरों में रहने को भेजा जा रहा। संपूर्ण बंदी की वजह से अगर सबसे अधिक तकलीफें किसी को उठानी पड़ी हैं, तो वे दिहाड़ी श्रमिक, रेहड़ी-पटरी पर कारोबार करने वाले, रिक्शा-ठेला खींचने वाले, घरों में रोजमर्रा के काम करने, कचरा-कबाड़ बटोरने वाले आदि हैं। उनके सामने भविष्य धुंधला है। इसलिए बंदी के शुरूआती चरण में ही हजारों की संख्या में ऐसे लोग पैदल अपने घरों की ओर कूच कर गए थे। सरकारों ने जगह-जगह अवरोध लगा कर उन्हें रोका और भरोसा दिलाया कि उनके रहने-खाने, यहां तक कि रोजी-रोजगार की मुश्किलें दूर की जाएंगी। इसी क्रम में दिल्ली में रैन बसेरे खोले गए, तो विभिन्न शहरों में जगह-जगह उनके लिए तंबू तान दिए गए, सरकारी स्कूलों आदि के भवनों में उनके ठहरने का इंतजाम किया गया। सरकारों ने खुद और कुछ स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिल कर उनके भोजन आदि का प्रबंध करने की कोशिश की। मगर उनमें जल्दी ही व्यवस्था की खामियां उजागर होनी शुरू हो गईं। रैन बसेरों और सरकारी भवनों में ठहरे लोगों का असंतोष फूट पड़ा। दिल्ली के कुछ केंद्रों में हिंसक झड़पें हुईं, तो सूरत आदि जगहों पर लोगों ने पत्थरबाजी की। वे उन केंद्रों से पलायन करने का प्रयास करते देखे गए। न तो उन्हें समुचित भोजन मिल पा रहा है और न उनके आसपास साफ-सफाई हो पा रही है। कई जगह पीने के पानी तक की किल्लत है। कोरोना का चक्र तोड़ने के लिए सुरक्षित दूरी बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए समूह में निकलने की इजाजत नहीं है। लोग जहां हैं, उन्हें वहीं रहने की हिदायत दी जा रही है। जो इसका पालन नहीं कर रहे, उन पर दबाव बना कर घरों में रहने को भेजा जा रहा है। कई शहरों में कर्फ्यू है। ऐसे में सरकारों के सामने भी इन बेघर-बदहाल लोगों को उनके गांव-घर तक जाने की इजाजत देने की कोई सूरत नजर नहीं आती। उन्हें घर वापसी की छूट देने का अर्थ है, कोरोना संक्रमण के फैलने का रास्ता खोलना। इसलिए उन्हें जगह-जगह रहने-ठहरने का बंदोबस्त किया गया। पर ऐसे इंतजाम का भी क्या फायदा, जो लोगों के लिए नई मुसीबत बन जाए। लोगों को भोजन-पानी, सोने की समुचित जगह तो चाहिए, वही उपलब्ध नहीं हो पा रही, तो समस्याएं पैदा होंगी ही। रैन बसेरों और अन्य केंद्रों में रहने वालों की आम शिकायत है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं मिल पा रहा। बासी और बेस्वाद भोजन करने से उनकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। फिर इन केंद्रों में इतने सारे लोगों को रखा गया है कि सुरक्षित दूरी का पालन भी सुनिश्चित नहीं हो पा रहा। ऐसे में अगर खराब खाना खाकर लोगों की तबीयत बिगड़े, तो वह एक अलग तरह की चुनौती साबित होगी। यह ठीक है कि संपूर्ण बंदी का फैसला अचानक किया गया, जिससे राज्य सरकारों को जरूरी इंतजाम करने में दिक्कत आई। पर अब तो बंदी के चालीस दिन पूरे होने को हैं। अगर अब तक इन केंद्रों में माकूल सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकी हैं, तो इसे सरकारों की विफलता ही कहा जाएगा। अपने नागरिकों की सेहत और सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकारों की होती है, पर इस संकट के समय में वे इस जिम्मेदारी को ठीक से नहीं निभा पा रही हैं, तो उन पर अंगुलियां उठना स्वाभाविक है।

# पर्यावरण से तालमेल का संकट

मुकेश पोपली

**पिछले कई वर्षों से दुनिया भर में बड़े पैमाने पर हो रहे पर्यावरणीय क्षरण और भविष्य में इसके बदतर होने की आशंका जताई जा रही है। यहां पर यह विचारणीय है कि कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन, मिट्टी, जल और वनों की गुणवत्ता में हानिकारक बदलाव हुए हैं। साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी उपलब्धियों के बीच अंतर कम होने के बावजूद आय के वितरण की स्थिति दुनिया के अधिकतर देशों में प्रतिकूलता की ओर अग्रसर हुई है। आदिकाल से ही मानव और पर्यावरण का गहरा रिश्ता रहा है। मानव जाति के विकास क्रम में आवश्यकताएं भी बढ़ती चली गई और सतत विकास ने जरूरतों को और बढ़ाया। सबसे ज्यादा बदलाव पिछली चार-पांच शताब्दियों में आया, जब विज्ञान के उपयोग से नए आविष्कार होने लगे और फिर औद्योगिक क्रांति ने तो मानव जीवन की दिशा ही बदल डाली।**

इन्हीं उपलब्धियों के बीच सबसे घातक काम जो शुरू हुआ, वह था प्रकृति के साथ खिलवाड़। विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह आज तक जारी है। यही कारण है कि आज हम प्रकृति के कोप का शिकार बनते जा रहे हैं। पूरी दुनिया इस वक्त हर तरह के प्रदूषण की मार झेल रही है। धरती का आज सबसे बड़ा और गंभीर संकट जलवायु का है। धरती का बढ़ता तापमान इसी का नतीजा है। ऐसे में आज सबसे बड़ी जरूरत इस बात की है कि हम वर्तमान में अपना जीवन सुंदर बनाएं और भविष्य के लिए भी एक सक्षम जीवन बनाने का गंभीरता के साथ प्रयास करें। यह सही है कि अभाव हमेशा रहेंगे, लेकिन इन अभावों के लिए जिम्मेदार कारणों को दूर करना और उसे पुन सही रूप में लाना ही संवहनीयता है। हालांकि यह बड़ी चुनौती है, मगर इस चुनौती से ही मानव का विकास जुड़ा हुआ है। यदि मानव विकसित होगा तो एक परिवार, परिवार से समाज, समाज से राष्ट्र और राष्ट्रों से विश्व विकसित होगा।

पर्यावरण संवहनीयता व्यक्तियों, समुदायों, देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदायों को एक नए मार्ग पर ले जाने के लिए सबसे सुयोग्य साधन है। यद्यपि मानव समाज ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी जैसी बुराइयों से हमेशा से ही ग्रसित रहा है। लेकिन फिर भी मानव के विकास में पर्यावरण और उससे जुड़े अनेक घटकों ने एक नई आशा का संचार भी किया है। बदतर से बद और बद से बेहतर बनने की प्रक्रिया में किसी भी मानव को सबसे अधिक सहयोग पर्यावरण ही प्रदान करता है।

इस बात को इस तरह से आसानी से समझा जा सकता है कि जब भी कोई इंसान किसी छोटी से छोटी-सी बीमारी में चिकित्सक से संपर्क करता है तो उसे यही सलाह दी जाती है कि घर में साफ-सफाई के साथ-साथ शुद्ध पानी और शुद्ध हवा का रहना अनिवार्य है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि मानव-विकास प्रक्रिया में स्वधच्छ वातावरण की एक गंभीर और अनिवार्य भूमिका है, क्योंकि कुशाग्र मस्तिष्क के साथ-साथ मानव के काम करने और रहने के स्थान पर एक स्वस्थ्य वातावरण अति आवश्यक माना गया है। धरती के बिगड़ते पर्यावरण पर नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि ऐसा प्रदूषित पर्यावरण जिसमें भावी पीढ़ी को ताजा हवा भी न मिल सके, प्रदूषित ही बना रहेगा, भले ही भावी पीढ़ी कितनी ही अमीर क्यों न हो।

यह सही भी है क्योंकि हम सब अनिश्चितता के दौर में ही तो रहते हैं और यह कोई नहीं जानता कि भविष्य में सर्वश्रेष्ठ जीवन-यापन के लिए आप किसे मूल्यवान मानेंगे। आप विकल्प चुनने की स्वतंत्रता के दौर में जब तक केवल अपने आराम के बारे में सोचेंगे तो पर्यावरण आपकी सूची में बहुत नीचे होगा, क्योंकि आपके पास वैकल्पिक साधनों की भरमार होगी। यदि अन्य बातों के साथ-साथ हम प्राकृतिक साधनों की उपलब्धता और विविधता को बचाएंगे, तभी हमारी क्षमताएं बढ़ेंगी, क्योंकि यह सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है और सबसे मूल्यवान भी। इसके लिए हमारे पास पर्याप्त कारण भी मौजूद हैं।

पर्यावरण सम्मेलनों और बैठकों में हर बार आगाह किया जाता है? कि हम पर्यावरणीय जोखिमों में निरंतर वृद्धि देख रहे हैं और इन सबके कारण स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ रहे हैं। दरअसल, पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इससे ओजोन परत का संकट बढ़ता ही जा रहा है। औद्योगिक प्रदूषण जल, थल और आकाश को घेरता ही जा रहा है। प्राकृतिक आपदाएं भी तेजी से दस्तक दे रही हैं। यदि मानव के विकास में हम लंबी आयु, स्वस्थद जीवन, रचनात्मक गतिविधियों और अभी तक न छुए गए पहलुओं आदि को शामिल करें तो यह धरती सबके लिए एक ऐसा अनूठा उपहार बन पाएगी और जिसका लाभार्थी हर प्राणी होगा। यह तब ही संभव है जब सब लोग एक समान अधिकार के लिए जीएं और अपने-अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से पूरा करें।

हम सब यह जानते हुए भी कि इस संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है, फिर भी हर चीज पर अपना अधिकार मानते हैं, यहां तक कि प्रकृति पर भी। हम हमारे पास उपलब्ध साधनों की तुलना किसी और के पास उपलब्ध साधनों से कर अपने आपको और अधिक वस्तुएं प्राप्ती करने के लिए झोंक देते हैं, जो कि गलत है। गलत और सही के दृष्टिकोण को समझने के लिए पर्यावरण सबसे अच्छा उदाहरण कहा जा सकता है। पिछले कई वर्षों से दुनिया भर में बड़े पैमाने पर हो रहे पर्यावरणीय क्षरण और भविष्य में इसके बदतर होने की आशंका बताई जा रही है। यहां पर यह विचारणीय है कि कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन, मिट्टी, जल और वनों की गुणवत्ताई में हानिकारक बदलाव हुए हैं। साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी उपलब्धियों के बीच अंतर कम होने के बावजूद आय के वितरण की स्थिति दुनिया के अधिकतर देशों में प्रतिकूलता की ओर अग्रसर हुई है। परिणामस्वरूप मानव के सशक्तीकरण सूचकांक में अनेक उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण कृषि उत्पादन पर पड़े दुष्प्रभाव, साफ पेयजल और बेहतर साफ-सफाई की उपलब्धता में कमी और प्रदूषण की समस्याएपएं शामिल हैं। पर्यावरणीय आपदा के प्रकोप ने भी भू-क्षरण, जैव विविधता में कमी, वनों की कटाई और पहाड़ों की तह में खुदाई में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यह भी देखा जाता है कि पर्यावरणीय क्षरण के दुष्प्रभाव उन लोगों पर अधिक हावी हो जाते हैं जिनके पास बुनियादी सुविधाएं भी न के बराबर हैं। दूसरी ओर यह भी सच है कि ऐसे लोगों की एक बड़ी बिरादरी पर्यावरण को सुधारने के स्थान पर उसे विरूपित ही करती है। जलवायु परिवर्तन का कृषि उत्पादन और आजीविका पर तो सीधा प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही मवेशी भी प्रभावित होते हैं। पर्यावरण जोखिमों पर गौर करें तो कमतर मानव विकास सूचकांक वाले देशों में घरेलू पर्यावरण प्रदूषित ही रहता है, क्योंकि वहां पर साफ पानी नहीं होता, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का अभाव होता है और वायु प्रदूषण तथा ध्वनि प्रदूषण भी काफी होता है। सामुदायिक व्यवस्था के अंतर्गत सबसे अधिक प्रभाव वायु प्रदूषण का पड़ता है। अक्सर देखा गया है कि वायु प्रदूषण घटने की ओर नहीं, बल्कि बढ़ने की ओर अग्रसर रहता है। तमाम कोशिशों के बावजूद समुदाय में फैले प्रदूषण को कम करना बहुत मुश्किल होता है।

यह कहना उचित होगा कि समाज के प्रत्येक अंग को हर पल यही कोशिश करनी चाहिए कि समय के आगे बढ़ते पहिये के साथ ही प्राकृतिक संपदा से मिलने वाली सेवाओं का प्रवाह बना रहे। सही मायने में भौतिक और अन्य तरह की संपदा धरती के बढ़ते तापमान, ओजोन परत के क्षरण और जैव विविधता को हो रहे भारी नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती। हाल ही में हरित अर्थव्यवस्था के व्यापक प्रतिमानों के भीतर विकास और पर्यावरणीय संवहनीयता की आपसी समरूपता की गुंजाइश पर जोर दिया जाने लगा है। यह विचार संवहनीयता पर पारंपरिक विचार से भिन्न है और यह उन रास्तों पर जोर देता है जिनमें आर्थिक नीतियां टिकाऊ उत्पादन और खपत का समावेशी स्वरूप प्रदान कर सकती हैं जो गरीबों के हित में हों और रोजाना के आर्थिक फैसलों में पर्यावरणीय चिंताओं को समाहित करे।

कोरोना आपदा

# कोरोना संकट में दिखाया देश ने दम

रमेश सर्राफ धमोरा

**कोरोना महामारी के चलते जहां पूरी दुनिया डरी नजर आ रही है। वही भारत इसका मजबूती से मुकाबला कर रहा है। पूरे भारत में लॉक डाउन लगा हुआ है तथा देश की जनता पिछले एक महीने से सरकार द्वारा लागू किए गए लाकडाउन की पूरी शिद्दत से पालना कर रही है। इस दौरान भारत के 135 करोड़ लोगों ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि संकट के समय देश का हर नागरिक पूरी एकजुटता के साथ सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकता है।**

इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश के लोगों ने दिखा दिया है कि भारत की जनता कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का पूरी शक्ति से मुकाबला करने में सक्षम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब 24 मार्च को 21 दिन का देशव्यापी लाक डाउन लागू करने की घोषणा की थी तब लोगों को लगा था कि अचानक यह कैसा फैसला उन पर थोप दिया गया है। मगर समय बीतने के साथ ही जब लोगों को कोरोना की भयावहता का अहसास हुआ तो संपूर्ण देशवासियों ने एक सुर में प्रधानमंत्री के फैसले का समर्थन करने के साथ ही सहयोग देने का दृढ़ निश्चय किया। उसी का परिणाम है कि पिछले एक महीने से देश में लाक डाउन लागू है। 14 अप्रैल की रात को लाकडाउन का प्रथम चरण समाप्त होने के पूर्व ही प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी 3 मई तक दूसरे चरण के लाकडाउन की घोषणा कर दी थी। तब भी देश की जनता ने प्रधानमंत्री के फैसले का पूरा समर्थन किया।

जब पूरी दुनिया कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से जूझ रही थी उसी दौरान केन्द्र सरकार ने तात्कालिक कदम उठाते हुए उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए। देश में पहली बार पूर्ण रूप से घरेलू व विदेशी हवाई सेवा पर रोक लगायी। साथ ही रेल व बसों के परिचालन को भी रोका गया। सरकार ने लाकडाउन लागू करते ही अन्य प्रदेशों में रोजगार के लिये प्रवास पर गए मजदूरों व अन्य लोगों को जहां है वहीं रहने को निर्देशित किया तथा उनके रहने खाने की संपूर्ण व्यवस्था करवाई। आज देश के कई लाख लोग अपने घरों से दूर दूसरे प्रदेशों में लाकडाउन के दौरान फंसे हुए हैं। अपने घरो से दूर विपरीत परिस्थितियों में फंसे हुये लोग भी सरकार के फैसले के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। कुछेक स्थानों को छोड़कर देश में कहीं भी लाकडाउन में फंसे हुए लोगों ने अपने घर जाने के लिए कोई जोर जबरदस्ती या हिंसात्मक रवैया नहीं अपनाया। सभी लोगों ने इस बात को माना कि सामूहिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवागमन के कारण कोरोना का संक्रमण तेजी से फैलेगा। इसलिए बेहतर यही होगा कि सरकारी निदेर्शों की पालना करते हुए जो जहां है वही रूके रहें। जिससे कोरोना का संक्रमण रोका जा सके।

कोरोना की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार ने भी पूरी शक्ति लगा रखी है। लाकडाउन की घोषणा होने के साथ ही केंद्र सरकार ने कोरोना से मुकाबला करने के लिए चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिये तत्काल 15 हजार करोड रुपए की राशि मंजूर की। जिससे कोरोना की रोकथाम के लिए विभिन्न प्रकार की दवाइयां व चिकित्सकीय उपकरणों की खरीद की जा सके। लाक डाउन के कारण रोजगार से वंचित जरूरतमंद लोगों के लिए सरकार ने 3 माह तक प्रति व्यक्ति 5 किलो निःशुल्क राशन सामग्री उपलब्ध करवा रही है। जरूरतमंद लोगों के बैंक खातों में नगद राशि भेजी जा रही है। केंद्र सरकार ने गरीब तबके की सहायता के लिए 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपए का राहत पैकेज देने की घोषणा की। वहीं विभिन्न सरकारी बैंकों में भी एक लाख करोड़ रुपए की राशि निवेश करने का फैसला लिया। जिससे बाजार में नकदी का संकट दूर होगा।

कोरोना से उपचार के लिए देश में हर दिन जांच केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है। जनवरी में कोरोना की आहट के समय देश में कोरना की जांच के लिए एक बायो लेबोरेट्री थी जिसकी संख्या आज बढ़कर 300 से अधिक हो गई है। आज देश में जांच के नए-नए साधन काम में लिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश में सैकड़ों कारखानों में कोरोना से संबंधित विभिन्न प्रकार के चिकित्सा व सहायक उपकरणों का निर्माण प्रारंभ हो गया है। इससे उनको विदेशों से मंगाने की बाध्यता समाप्त हो रही है। आज देश के अनेक बड़ी-बड़ी कंपनियां विभिन्न प्रकार का चिकित्सकीय उत्पाद का निर्माण करने लगी है जो आने वाले समय में देश के लिए एक शुभ संकेत है। इसे भविष्य में भारत के चिकित्सकीय उपकरणों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नियमित रूप से देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योगपतियों, समाजसेवी वर्ग के लोगों, मीडिया के क्षेत्र से जुड़े लोगों से प्रतिदिन व्यक्तिगत संवाद स्थापित कर कोरोना पर नियंत्रण के लिए उनसे सलाह मशविरा कर उनके सुझाव ले रहे हैं। केन्द्र सरकार उनमें से प्राप्त कई उपयोगी सुझावों को लागू भी कर रही हैं। केंद्र सरकार का राज्य सरकारों से पूरा तालमेल है। केन्द्र सरकार द्वारा आवश्यकता के अनुसार राज्य सरकारों को हर तरह की सहायता उपलब्ध करवायी जा रही है।

कोरोना से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में केन्द्र सरकार द्वारा अंतर मंत्रालय टीम भेजी गई है। जो उस क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का अध्ययन कर राज्य सरकार से सलाह मशविरा कर कोरोना के प्रभावी नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। जिसके आधार पर केन्द्र सरकार उस क्षेत्र विषेश में अतिरिक्त सहायता उपलब्ध करवायेगी।

भारत में पहली बार इतने लंबे समय का लाक डाउन हुआ है। इससे पहले कभी लोगों ने लाक डाउन शब्द भी नहीं सुना था। लेकिन फिर भी लोगों ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को मात देने के लिए घरों में रहना मुनासिब समझा। जिसके नतीजे भी अब दिखाई देने लगे हैं। देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते विस्तार पर रोक लगी है। पहले की तुलना में कोरोना संक्रमित रोगियों की संख्या में कमी आई है। प्रधानमंत्री मोदी का कुशल नेतृत्व व देश की जनता का पूरा सहयोग मिलने से भारत में धीरे-धीरे कोरोना संक्रमण कमजोर होता जा रहा है।

## कोरोना बनाम फिरो ना

निज हितों को त्याग कर
सेवा हमारी कर रहे जो,
प्राण की बाजी लगाकर
कोरोना से लड़ रहे जो7
देश के कुछ नासमझ
प्रहार उन पर कर रहे हैं,
पूजना था जिनको तुमने
वार उन पर कर रहे हैं7

कोसते हो तुम पुलिस को
वह तुम्हें क्यों टोकती है,
सोचते हो घर से बाहर
वो तुम्हें क्यों रोकती है
बंदिशे किस बात की
कुछ भी नहीं होगा हमें,
इस बात को इस वक्त ही
भूलना होगा हमें
कोरोना का कहर छाया
विश्व में घनघोर है,
संकटों के घने बादल
घिरे चारों ओर है
देश का प्रधान सेवक
खड़ा हाथ को जोड़ है,
जीतना है युद्ध तो ये
घर पर ही रहना तोड़ है
छूत की है यह बीमारी
प्राण तक ले लेती है,
एक हो जाए तो
अनेक को हो लेती है
हितेषी समाज के हो
तो बस यही उपचार कर लो,
कुछ दिनो रहना है घर पर
इस बात पर विचार कर लो
कोरोना से ग्रसित हो तो
देश में यूं फिरो ना तुम,
शत्रु बन समाज के
नजर में यूं गिरो ना तुम
पत्थरों को फेंककर
किनका विरोध हो कर रहे,
सेवा तुम्हारी कर रहे जो
उनसे ही आकर लड़ रहे
जानते हो वह तुम्हारी
फिक्र में दिन रात है,
कोरोना से जंग लड़ने
में हुए तैनात हैं
मत लड़ो उन डॉक्टरों से
जो रूप है भगवान के,
वो ही तो अर्जुन हैं अभी
इस युद्ध के मैदान के।

**दीपक सती प्रसाद**
**चमोली उत्तराखंड**

## लेखक आशुतोष को एक साथ मिले कई सम्मान पत्र

बिहार पटना के लेखक आशुतोष कुमार को एक साथ कई सम्मान पत्र से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ।जिनमें साहित्य संगम संस्थान नईदिल्ली द्वारा ÷समीक्षाघीश सम्मान÷, मेरी कलम मेरी पूजा द्वारा साहित्य रत्न तथा सरस्वती पुत्र÷ सम्मान नव सृजन सर्वांगीण विकास मंच पटना द्वारा ÷श्रेष्ठ रचना कार÷ सम्मान, तथा नेहरू युवा संगठन स्वायत्व संस्थान नारी जागृति मंच नईदिल्ली द्वारा ऑन लाइन प्रतिभा सम्मान 2020 तथा यूथ सेन्सिविटी गोरखपुर द्वारा ÷प्रगतिशील लेखक सम्मान÷ दिया गया।यह सभी सम्मान उन्हें उनके उत्कृष्ठ लेखनी से प्राप्त हुए हैं।उन्होंने सामाजिक समस्याओं को वेहतर ढंग से अपनी कविता, लेख, गीत, गजल, और कहानी के जरिये देश- विदेश की पत्र पत्रिकाओ तथा विभिन्न साहित्यिक समूहों में रखा है जिसे व्यापक लोकप्रियता के साथ समय-समय पर सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।उन्होंने बताया कि जनवरी 2020 से अब तक लगभग 60 सम्मान पत्र वे प्राप्त कर चुके हैं। उनके अब तक दो पुस्तक द्वन्द और जागो यार संसार तुम्हारी है प्रकाशित हो चुकी है और पुस्तक पर काम चल रहे हैं।उन्होने सभी आयोजको को ऐसे आयोजनो को करवाते रहने पर आभार व्यक्त किया है जो हिन्दी के लिए वरदान सावित हो रही है ।आज हिन्दी को ऐसे आयोजनो की सख्त जरूरत है।

**आशुतोष**
**पटना बिहार**

# सब थमा था, बस वे नहीं

जी हाँ, सही समझे आप सभी, जहाँ पूरी दुनिया रुक गयी है, पूरा देश ठहर गया है, हर कोना सूना पड़ा है ( शायद क्यूँकि अब कोई गुटखा थूकने वाला नही बचा ), वही पर देश के अंदर डाक्टर और देश की सीमाओं पर जवान अपना फ़र्ज़ पूरा कर रहे है। हाँ ये वही आम व्यक्ति है जिनके शहीद हो जाने पर हमारे देश की जनता को कोई ख़ास फ़र्क़ नही पड़ता वो शायद इसीलिए कि जनता उन्हें जानती ही नहीं ! शुरुआत देश के जवानो से करते हुए, मैं यही कहूँगा कि जहाँ आज के इस ज़माने में घर का एक सदस्य ही घर के अन्य सदस्यों के लिए अपने प्राण नहीं त्याग सकता, वहाँ ऐसे मनुष्य भी है जो अपने देश के ख़ातिर भगवान श्री राम के भांति अपने घर, परिवार, सुख व शांति का त्याग कर देते है और हम देशवासी उन सभी वीरों को एक अंतिम सलाम भी नहीं कर पाते ! कभी स्मरण किया है कि उस परिवार पर क्या व्यतीत होता होगा, जिसका एक जवान बेटा था पर क्यूँकि वो एक देश का जवान भी था इसीलिए अब इस दुनिया में नहीं रहा ।वह दर्द वह पीड़ा सोचकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ये तो थी एक हल्की सी झलक देश के उन वीरों की जो सीमाओं पर वतन के वास्ते दिन रात पहरा दे रहे है। अब थोड़ा सा इन वीरो के लिए भी लिखूँगा जो देश के अंदर रहकर देश की जनता को बचाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे है ! !अब क्या कहना है उन सभी का जो पहले यह चर्चा किया करते थे कि, सर्दी ख़ासी हो रही है, बुखार भी है पर यदि डाक्टर के पास गए तो वे तो लूट लेंगे । अरे भाई ! ! दुनिया में खेती बाड़ी से लेकर साइंटिस्ट बनने तक हर व्यक्ति जो भी कार्य कर रहा है, कही ना कही उसका महत्वपूर्ण कारण एक अच्छी राशि कमाना है। फिर एक डाक्टर तो आपकी ज़िंदगी बचा कर कुछ रुपए फ़ीस के तौर पर ले रहा है तो इसमें ग़लत क्या है ? एक डाक्टर की पीड़ा का अंदाज़ा भी नहीं लगाया जा सकता, जो कम से कम 10 साल की कड़ी और अटूट मेहनत के बाद एक सफल डाक्टर के रूप में उभर कर आ पाते है ।इसके बाद इन्हें मिलता क्या है? बस एक इल्ज़ाम लूटने का और दूसरा दर्द, और अपमान पत्थरो का ! आज की तारीख़ में इस महामारी से पीड़ित होने के बाद जितने भी कुल मरीज़ ठीक हुए है उनकी संख्या शून्य होती अगर डाक्टर ना होते !! पत्थरबाज़ी और बदतमीजी सहन करने के बावजूद जहाँ हर व्यक्ति इस महामारी से बचने के लिए घरों में बैठे है ,वही यह डाक्टर रूपी देश के वीर ख़ुद अपनी जान जोखिम में डालकर, संक्रमित लोगों की जान बचाने की कोशिश में जुटे हुए है । आश्चर्यजनक बात तो यह है कि हमें अनुमान भी नहीं कि कितने ही सीमा पर लड़ते जवान और अस्पतालों में जीवन रक्षक बने डाक्टर, नर्स व अन्य कर्मचारी अपनी जान गवाँ चुके है । इतना सब घटित/ व्यतीत हो जाने पर भी ना तो हमारी ज़िंदगी रूकती है और ना हँसी-मज़ाक़ के विडीओज़ फ़ॉर्वर्ड करना रुकते है !आज हर बच्चा बच्चा यह दुखद बात जानता है कि बेहद बेहतरीन दो बॉलीवुड सितारे हमारे बीच नहीं रहे ( मैं भी तहें दिल से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ )लेकिन हैरान हूँ यह सोचकर कि बच्चें यह क्यू नहीं जानते कि कितने योद्धा भी शहीद हुए, जो कि हमारे लिए लड़ते हैं इसका कारण शायद संस्कृति के बदलते स्वभाव का असर है, जिसकी जड़े बीतते वक़्त के साथ कमज़ोर होती जा रही है ,यह एक अफसोस का विषय है और इस पर सभी को विचार करना चाहिए ! इस महामारी के दौरान, एक सलाम हर शहीद के नाम !

**अरविंद द्विवेदी**
**ज्योतिषी और परामर्शदाता**

## क्या हुआ जी-कोरोना..?

तो फिर काहे को घबराना।
सीधा अस्पताल में जाना ।।
अपनी जांच करवाना ।
पूरी सावधानी बरतना।।
ध्यान रखना घर पर ही रहना।
भाई कहीं भूल ना जाना ।।
आपको भी हो सकता है कोरोना।
फिर बाद में मत पछताना ।।
इसलिए मुंह पर मास्क लगाना।
बार बार साबुन से हाथ धोना।।
बार-बार गर्म पानी ।
जिंदगी को आराम से है जीना।।
सावधानी ही इलाज है।
वरना यह बीमारी लाइलाज है।।
लॉकडाउन का पालन करना है।
सुरक्षित अपने घर में ही रहना है।।

**कवि कृष्ण कुमार सैनी**
**दौसा,राजस्थान**

दैनिक
# पुष्पांजली टुडे

फीचर

ग्वालियर, मंगलवार, 05 मई 2020



# 1415 किमी दूर कार से सफर करके मुंबई पहुंची रिद्धिमा कपूर

बॉलीवुड एक्टर ऋषि कपूर के निधन के दो दिन बाद उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी अब देर रात अपने घर मुंबई पहुंची । रिद्धिमा कपूर अपनी बेटी संग दिल्ली से मुंबई सड़क के रास्ते से पहुंची । दोनों के घर पहुंचने की फोटोज सामने आई है। रिद्धिमा और उनकी बेटी ने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था । रिद्धिमा कपूर की आंखों में पापा के जाने का गम साफ-साफ नजर आ रहा हैं। दिल्ली से मुंबई सड़क का सड़क से सफर तय करने में उन्हें 24 घंटे से भी ज्यादा समय लगा। इन तस्वीरों में रिद्धिमा कपूर और उनकी बेटी के साथ उनकी नैनी भी नजर आ रही हैं ।

रिद्धिमा पापा ऋषि के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाई थी क्योंकि उस वक्त वो अपने ससुराल दिल्ली में थी। रिद्धिमा कपूर साउथ ईस्ट दिल्ली के फ्रेंड्स कॉलोनी ईस्ट में रहती हैं । बता दें कि रिद्धिमा कपूर ने पापा ऋषि कपूर के निधन की खबर सुनते ही दिल्ली सरकार से मुंबई जाने की इजाजत मांगी थी । जिसके बाद उन्हें सरकार ने दी लेकिन हवाई यात्रा से नहीं बल्कि सड़क के रास्ते से उन्हें मुंबई जाने को कहा । बीते दिनों रिद्धिमा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसे देखकर पता चला कि वो दिल्ली से मुंबई बाय-रोड सफर कर रही थी। वीडियो के साथ ही रिद्धिमा ने लिखा था 'घर आ रही हूं मां । रिद्धिमा कपूर अपने पिता को पल-पल याद कर रही हैं। रिद्धिमा अपने पापा के काफी करीब थीं, वो किसी भी कीमत पर मुंबई पहुंचना चाहती थीं। हांलाकि वीडियो कॉल के जरिए रिद्धिमा अपने पापा के अंतिम संस्कार में शामिल जरूर हुई थी। ऋषि कपूर के अंतिम संस्कार की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं, जिसमें आलिया अपने हाथ में फोन पकड़े वीडियो कॉल के जरिए रिद्धिमा को ऋषि कपूर के अंतिम संस्कार दिखा रही थीं । ऋषि कपूर के चले जाने से रिद्धिमा को भी काफी सदमा लगा है । उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ इमोशनल पोस्ट किए थे । एक पोस्ट में तो रिद्धिमा ने 'लौट आइए पापा' भी लिखा था जिसे पढ़ हर किसी की आंखें नम हो गई थी । इतना ही नहीं उन्होंने पिता के साथ अपनी फोटो शेयर कर लिखा था, 'पापा मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी । मैं आपको हर रोज मिस करूंगी । आपके फेस टाइम कॉल्स मिस करूंगी। काश मैं आपको अलविदा कहने के लिए वहां मौजूद होती। आपसे दोबारा मिलूंगी पापा ।' पापा ऋषि कपूर को आखिरी बार ना देख पाने का गम तो रिद्धिमा के दिल में हमेशा रहेगा, लेकिन उन्हें तस्ल्ली इस बात की होगी कि वो अपनी मां का सहारा बनने के लिए अब उनके पास पहुंच गई हैं । अभिनेता ऋषि कपूर 30 अप्रैल को इस दुनिया को अलविदा कह गए । उनकी मौत ने फैंस से लेकर इंडस्ट्री तक सभी को हिलाकर रख दिया है । वहीं उनके परिवार पर तो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है । ऋषि कपूर का अंतिम संस्कार शाम चार बजे मुंबई के चंदनवाड़ी शवदाह गृह में किया गया था । ऋषि कपूर के अंतिम संस्कार में रणबीर कपूर, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, अभिषेक बच्चन, आलिया भट्ट जैसे कई सितारे ऋषि कपूर की अंतिम यात्रा में शामिल हुए थे ।

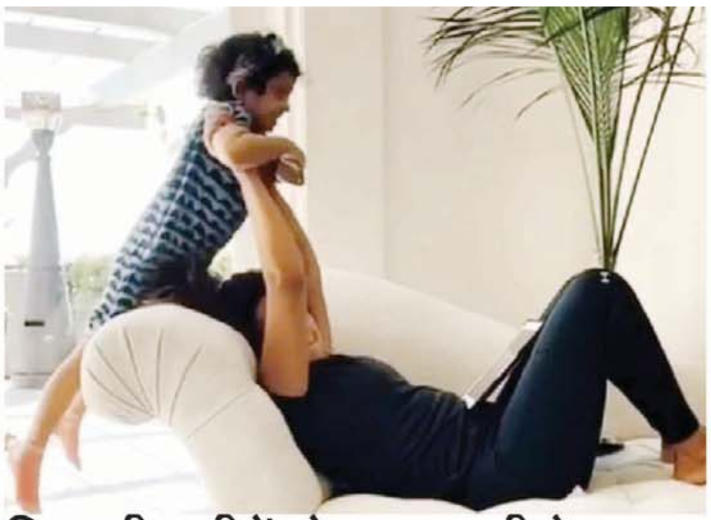

## जिम की मशीनें छोड़कर बच्ची के साथ एक्सरसाइज करने लगीं प्रियंका चोपड़ा

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अभी कैलिफोर्निया में हैं और वहां भी एक्ट्रेस घर पर ही क्वारंटाइन हैं। इन दिनों जिम, योगा सेंटर बंद होने से सेलेब्स घर पर ही वर्कआउट करके खुद को फिट रखने की कोशिश कर रहे हैं। कोई घर पर बने मिनी जिम में वर्कआउट कर रहे हैं तो कई योग आदि का सहारा ले रहे हैं। लेकिन प्रियंका चोपड़ा ने तो एक अनोखा तरीका निकाला है और बिना मशीन के वर्कआउट कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने एक वीडियो शेयर कर बताया है कि वो किस तरह अब वर्कआउट कर रही हैं। जो वीडियो शेयर किया है, उसमें दिख रहा है कि वो एक सोफे पर लेटी हुई हैं और सोफे के दूसरी तरफ वो एक बच्चे को हाथ से उठाकर अपना वर्कआउट कर रही हैं। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा को वेट उठाने के लिए मशीन की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और बिना मशीन के ही एक्सरसाइज कर रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन में लिखा है- नो जिम, नो प्रॉब्लम। खास बात ये है कि वीडियो में दिख रही बच्ची भी बिना किसी परेशानी के खुश होकर प्रियंका के वर्कआउट में मदद कर रही हैं और खुश हो रही है। बता दें कि बच्ची का नाम कृष्णा स्काइ है, जो दिव्या ज्योति की बेटी हैं। दिव्या ज्योति एक आर्टिस्ट हैं। अब यह वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है और कुछ घंटों में ही 33 लाख बार इस वीडियो को देखा जा चुका है। साथ ही लोग वीडियो पर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने इरफान खान और ऋषि कपूर के निधन पर अपना दुख व्यक्त किया था और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं। साथ ही प्रियंका इन दिनों कोरोना वायरस की जागरूकता बढ़ाने में एक्टिव हैं और अपने वीडियो शेयर करती रहती हैं।

## ऋषि कपूर की मौत से दुखी इमरान हाशमी, बोले- वे अक्सर मुझसे मेरे कैंसर सर्वाइवर बेटे के बारे में पूछा करते थे

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर 67 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। करीब दो साल से ल्यूकेमिया (रक्त का कैंसर) से जंग लड़ रहे ऋषि कपूर को तबीयत बिगड़ने के बाद बुधवार को एच. एन. रिलायंस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अगले दिन सुबह पौन नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। ऋषि कपूर का निधन 30 अप्रैल को हुआ था। ऋषि कपूर के निधन से बॉलीवुड सकते में है। कई बॉलीवुड स्टार्स ने ट्वीट करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। हाल ही में एक्टर इमरान हाशमी ने उनके साथ काम करने की याद ताजा की। इमरान हाशमी ने कहा कि ऋषि कपूर मुंबई में सेट पर 45-50 दिनों के लिए एक स्ट्रेच पर फिल्म बना रहे थे उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा। अभिनेता ने कहा कि ऋषि कपूर ने वर्षों में एक अभिनेता के रूप में खुद को दिखाया है। उन्होंने काम को लेकर हमे काफी कुछ सिखाया है। वो अपने काम को लेकर काफी डेडिकेटेड थे। इमरान ने बताया कि एक बार साथ जब ऋषि कपूर कैंसर का इलाज के बाद न्यूयॉर्क से लौटे तो सीधे वो काम पर आ गए थे। इमरान हाशमी ने आगे खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान, ऋषि कपूर उनसे उनके बेटे अयान के बारे में पूछते थे जिसे कैंसर हुआ था और उसने कैंसर पर जीत हासिल की थी। इमरान ने कहा कि यह बहुत ही अजीब बात है कि उसके दो महीने बाद ही उन्हें (ऋषि) कैंसर के बारे हो पता चला। जब ऋषि कपूर अमेरिका से वापस लौटे, तो इमरान ने सोचा कि कीमोथेरेपी के कारण वे काफी कमजोर हो गए होंगे लेकिन, वह ठीक थे और काम करने के लिए उतावले थे। बता दें, ऋषि कपूर ने अपने पिता राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' से बतौर बाल कलाकर बड़े पर्दे पर अपनी फिल्मी पारी का आगाज किया था। इसके बाद वह फिल्म 'मेरा नाम जोकर' में भी नजर आए। बतौर मुख्य अभिनेता 1973 में आई 'बॉबी' उनकी पहली फिल्म थी, जो एक बड़ी हिट थी। इसके बाद करीब तीन दशक तक उन्होंने कई रोमांटिक फिल्में की। कई फिल्मों में उनके अभिनय को सराहा गया।

## लॉकडाउन में उर्वशी रौतेला को आई अपने मैथमेटिक्स क्लास की याद

इन दिनों पूरी दुनिया कोरोना वायरस की लड़ाई लड़ रही हैं। चीन से शुरू हुआ ये वायरस पूरी दुनिया में आग की तरह फैलता ही जा रहा हैं। जिसकी चपेट में भारत भी आ गया हैं। ऐसे में पीएम मोदी ने 17 मई तक लॉकडाउन घोषित कर दिया है। ऐसे में हर कोई अपने घर में बंद है और कुछ ना कुछ कर रहा है। हाल ही में उर्वशी रौतेला ने अपने इस्टंग्राम पर तस्वीर शेयर की है जिसमें वो अपने मैथ टीचर को याद कर रही हैं। तस्वीर में उनकी आंखें बंद है और वो कुछ ना कुछ सोच रही हैं। उर्वशी अपनी तस्वीर में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा कि- मैं अपने मैथमेटिक्स क्लास को मिस कर रही हूँ, मेरे दादा गोल्ड मेडलिस्ट थे मैथमेटिक्स में। इस कैप्शन से लगता है कि उर्वशी अपने दादा को बहुत मिस कर रही हैं। वो क्योंकि लगता है कि छोटे पर उनके दादा ही उन्हें मैथ पढ़ते होगें। उर्वशी रौतेला के लुक की बात करे तो उन्होंने रेड कलर का टॉप पहना है और आर्मी प्रिंटेड जींस पहनी है। साथ ही उन्होंने अपने बालों को खुलाकर रखा है। अपने लुक के हिसाब से अपने फेस पर मेकअप किया है। उर्वशी रौतेला ने ये तस्वरी कुछ देर पहले ही शेयर की है। जिसको उनके फैंस काफी पसंद कर रहें हैं। लॉकडाउन के चलते एक्ट्रेस को अपने पुराने दिन काफी याद आ रहें हैं। किसी लिए कभी कभी वो अपने इंटरनेट पर अपने वेकेश की तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। आपको बता दें कि देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए देश में 17 मई तक लॉकडाउन जारी है। कोरोना वायरस की बीमारी दुनिया के लिए महामारी बन चुकी है। इस बीमारी से अभी तक भारत में 37336 हजार से अधिक लोग संक्रमित हैं, जबकि 1218 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

## आमिर खान की भतीजी जायन ने मिसेज सीरियल किलर में किया है डेब्यू

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस और मनोज बाजपेयी स्टारर फिल्म मिसेज सीरियल किलर रिलीज हो गई है। फिल्म की रिव्यू कुछ खास नहीं मिल रहे हैं। यह फिल्म एक्ट्रेस जायन मैरी खान की वजह से भी सुर्खियों में हैं, जो इस फिल्म से अपना डेब्यू कर रही हैं। दरअसल, जायन मैरी खान सुपरस्टार आमिर खान की भतीजी है, इसलिए इस फिल्म की चर्चा की जा रही है। जायन मैरी खान फिल्ममेकर मंसूर खान की बेटी हैं और आमिर खान की भतीजी है। आमिर खान की बेटी इरा खान और जायन के बीच खास बॉन्डिंग हैं, क्योंकि दोनों के इंस्टाग्राम पोस्ट में एक दूसरे को जिक्र होता रहता है। जायन भी इरा खान के साथ कई तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में जब जायन की पहली फिल्म रिलीज हुई तो इरा खान ने जायन के लिए पोस्ट शेयर किया और डिजिटल प्रीमियर में इरा अपनी फैमिली के साथ नजर आईं। जी हां, इरा खान ने जायन की फिल्म को लेकर एक फोटो शेयर की है, जिसमें इरा, पिता आमिर खान और किरण राव के साथ नजर आईं। जायन के लिए इरा साड़ी में तैयार भी हुई और फिल्म के लिए एक खास नोट लिखा, जिसमें जायन को मिस भी किया।

### कौन हैं जायन?

मंसूर खान की बेटी जायन ने काफी दिनों पहले हिंट दे दिया था कि वो फिल्मों में नजर आने वाली हैं। मंसूर खान वो ही हैं जिन्होंने 'जो जीता वही सिकंदर' बनाई थी। इस फिल्म ने आमिर खान के फिल्मी करियर को नई ऊंचाइयां दी थीं। इसके बाद मंसूर ने आमिर को लेकर 'अकेल हम अकेले तुम' बनाई थी जिसमें मनीषा कोइराला ने भी काम किया था। मंसूर खान रिश्ते में आमिर खान के कजन हैं। अगर बात करें तो जायन भले ही फिल्मों में दिखाई नहीं दी हो, लेकिन इंस्टाग्राम पर काफी हिट हैं। वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 14 हजार से अधिक फैन हैं। जायन ने शकुन बत्रा की फिल्म कपूर एंड संस में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया है, जिसमें ऋषि कपूर अहम भूमिका में थे। पहले खबरें आई थीं, कि वो अपने भाई इमरान खान की किसी फिल्म में दिखाई दे सकती हैं।

## कृष्णा श्रॉफ जमकर करती है वर्क आउट

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ अपनी पर्सनल लाइफ और अपनी बोल्ड तस्वीरों के चलते सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ। कृष्णा श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमे उनका बोल्ड लुक नजर आ रहा है। तस्वीरों में कृष्णा में व्हाइट शर्ट पहने नजर आ रही हैं जो डाउन शॉल्डर है। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खुब पसंद किया जा रहा है। बता दें कि कृष्णा अपनी हॉट फिगर को बरकरार रखने के लिए जमकर वर्क आउट करती है। वो भी अपने भाई टाइगर श्रॉफ कि तरह खुद को फिट रखती है और अक्सर अपनी फिटनेस दिखाने के लिए अपनी बिकनी पिक्चर्स सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती है। टाइगर की गर्लफ्रेंड दिशा पाटनी के साथ भी कृष्णा की अच्छी दोस्ती है और सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों एक दूसरे की तस्वीरों पर कमेंट करते नजर आते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड एबन हयाम्स के साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कृष्णा श्रॉफ इन दिनों बॉयफ्रेंड एबन को डेट कर रही हैं। एबन के प्यार में कृष्णा बेहद पागल है और उनके साथ अपनी तस्वीरें खूब शेयर करती हैं। इन दिनों बॉयफ्रेंड के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। बीते दिनों इस कपल के ब्रेकअप की खबरें सामने आई थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि कृष्णा ने अचानक ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एबन की सारी तस्वीरें हटा दी थी। जिसके बाद ये अटकलें लगाई जाने लगीं कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इस बारे में कुछ नहीं बोला। एक इंटरव्यू के दौरान कृष्णा ने बताया था कि परिवार को एबन काफी पसंद हैं और वे सभी एक दूसरे को पसंद करते हैं।

## जसलीन मथारू की सिंदूर और चूड़ा के साथ तस्वीर हुई वायरल

**मंगलवार को बिग बॉस 12 की कंटेस्टेंट जसलीन मथारू ने एक तस्वीर शेयर की हैं' इसमें उन्हें नाइट सूट पहने देखा जा सकता हैं' इसके अलावा उन्होंने हाथों में चूड़ा और मांग में सिंदूर लगा रखा हैं। इस फोटो को देखकर लोग यह पूछ रहे है कि कही उन्होंने वाकई अनूप जलोटा से शादी तो नहीं कर ली है।**

हालांकि बाद में एक वेबसाइट को उन्होंने इसपर स्पष्टीकरण दिया है' जसलीन मथारू ने स्पष्ट किया कि उन्होंने शादी नहीं की है लेकिन यह एक प्रोजेक्ट के लिए उनका लुक है। दिलचस्प बात यह है कि एक अन्य साक्षात्कार में जसलीन ने खुलासा किया था, 'मैं शादी करने के मूड में हूं लेकिन मुझे अभी तक सही व्यक्ति नहीं मिला है। मेरे दिल की घंटी बजी नहीं है अब तक।' और अब जसलीन के अनुसार कुछ लोग अभी भी उनपर विश्वास नहीं कर रहे हैं कि उन्होंने शादी नहीं की है। इस बारे स्पॉटबॉय से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब से मैंने उस तस्वीर को पोस्ट किया है, लोग मुझे बधाई संदेश भेज रहे हैं। बहुत से दोस्त मुझे 'ए हैप्पी मैरिड लाइफ' की बधाई दे रहे हैं।

वास्तव में, उसी दिन, कश्मीरा शाह ने भी मुझे फोन किया था।' वह आगे कहती है,'कश्मीरा शाह को भी मैंने सच बताया हैं' हालांकि मैं उनके इशारे को समझ गई थीं।' जसलीन ने आगे कहा कि उनके कुछ प्रशंसक अभी भी 'नो ट्रस्ट' जोन में हैं और उन्हें बता रहे हैं कि उनका 'दिल टूट गया हैं।' दूसरी ओर उनमें से कुछ ने उससे पूछा, 'कौन आदमी है? अनूप जलोटा से तो शादी नहीं कर ली?' यह सब कैसे शुरू हुआ, इस बारे में बात करते हुए जसलीन मथारू कहती है, 'मैं घर पर चुपके चुपके गाने पर एक वीडियो शूट कर रही थी और इसके लिए ही मैंने अपने हनीमून के सीन के लिए नव-विवाहित लड़की की तरह कपड़े पहने हैं लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह चर्चा का

# समाज सेवी ने सफाई कर्मचारियों को तिलक लगाकर किया सम्मानित

**दबोह( अर्पित गुप्ता)**

**दबोह।** नगर में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते दबोह मुख्य नगर पालिका अधिकारी लगातार नगर में सफ़ाई अभियान युद्ध स्तर पर चला रहे है।जिसके चलते नगर के वायोवृद्ध समाज सेवी अमृतलाल विरथरिया ने नगर पंचायत कार्यालय पहुँचकर दबोह मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन.आर खेंगर के साथ सभी कोरोना कर्मवीर योद्धाओ को सम्मानित किया।इस मौके पर समाज सेवी अमृतलाल विरथरिया ने कहा कि मै भी बाल्मीक हूँ,प्रत्येक ब्यक्ति अपनी गन्दगी स्वंम साफ करता है यदि वह अपने घर के आसपास गन्दगी को जमा न होने दे तो सफाई के प्रति कोरोना महामारी के युद्ध को कुछ स्तर तक जीता जा सकता है।इस महामारी में कोरोना को हराने के लिये नगर पँचायत के सभी सफाई कर्मचारियों का हौशला बढ़ाने की जरूरत है।इसलिये उनका सम्मान होना चाहिए इसलिये मैने उनका सम्मान किया।इस मौके पर पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष रफ़ीक खान,सफाई कर्मचारियों में मुख्य रूप से सफाई दरोगा द्वारिका प्रसाद रायकबार, मणिकांत खमेरिया, राजू बाल्मीक, जनवेद बाल्मीक, मुकेश बाल्मीक, मनोज बाल्मीक, बलराम, लल्लू, रानी, सीमा बाल्मीक, रामजी बाल्मीक, गुड्डी, सुमन बिट्टी आदि को सम्मानित किया गया।

## समाजसेवियों ने करोना वारियर्स का किया सम्मान

**सबलगढ़।** झुंडपुरा नगर के समाजसेवियों एवं व्यापारियों ने द्वारा करोना वारियर्स के रूप में पुलिस कर्मियों, नगर के पत्रकारों,स्वास्थ्य कर्मियों, नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों एवं गेहूँ खरीद केन्द्र कर्मचारियों, बैक कर्मियो,इण्डेन गैस ऐजेंसी के कर्मचारियों सम्मान किया गया। समाजसेवी राजू रावत ने पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी अतुल परिहार, लवकुश शर्मा, सतेंद्र गुर्जर, राजबीर जादौन सहित बरिष्ठ पत्रकार अनिल बुधौलिया एवं पुलिस कर्मियों का बैक प्रबंधक एल.आर. मीणा के साथ बीरसिंह, अनिल,मुकेश सहित बैक कर्मचारियों का फूल माला पहनाकर शाल श्रीफल भेटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अनिल बुधौलिया ने कहा कि कोरोना से लडाई मे हमारे नगर में तहसीलदार अजय शर्मा के कुशल नेतृत्व में सभी ने अपने अपने विभागों मे काम किया है। जिससे इससे बचाव के लिए आमजन जागरूक हुआ है।

## पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा शहर में पैदल मार्च

**पंकज त्रिपाठी प्रदेश ब्यूरो चीफ**

**भिण्ड।** जिला कलेक्टर छोटे सिंह एवं पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र सिंह और पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा शहर में पैदल मार्च किया गया। भिण्ड जिला को ग्रीन जोन( कोरोना मुक्त )रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, एवं कोरोना वॉरियर्स का स्थानीय लोगों द्वारा फूल-मालाओं से स्वागत किया गया।

## लॉक डाउन के द्वारा सभी शराब दुकान की गई शील्ड

**दतिया से ग्वालियर संभागीय ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट**

**दतिया।** अबकारी उप निरीक्षक टी आर वर्मा व्रत प्रभारी दतिया एवं भांडेर द्वारा लॉक डाउन के द्वारा सभी शराब दुकान की गई शील्ड उनका आज दिनांक 4/ 5 2020 को किया गया निरीक्षण जिला कलेक्टर रोहित सिंह के निर्देशन में एवं जिला आबकारी अधिकारी दतिया अंशु भदौरिया के मार्गदर्शन में उक्त कार्रवाई की गई। आबकारी उप निरीक्षक टी आर वर्मा अबकारी बल के साथ शील्ड की गई सभी दुकानों निरीक्षण करने पर सही पाई गई डीआर वर्मा उप निरीक्षक ने बताया कि कल दिनांक 5 5/ 2020 सभी संपूर्ण जिले की शराब की दुकाने खुलने की संभावना है।

# गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए 101 परिंडे लगाने का संकल्प लिया

**पाली।** जिले के ग्राम पंचायत डारिया और जिला परिषद सदस्य पाली और भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष खीमाराम सिरवी ने आज अपने और से संकल्प लिया और उन्होंने बताया कि इस भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए 101 परिंडे लगाने का संकल्प लिया इस प्रकार उन्होंने आमजन से अपील की और बताया कि इस समय की भीषण गर्मी को देखकर बेजुबान पक्षियों के जीवन के संरक्षण बने इस प्रकार भाजपा के खोड मंडल के पूर्व अध्यक्ष मुकेश सिरवी ने बताया कि जिला परिषद सदस्य और सरपंच प्रतिनिधि खीमाराम सिरवी द्वारा यह संकल्प लिया और अपने ग्राम में 31 फ्रेंड लगाएं और मुकेश सिरवी ने बताया कि इस प्रकार से संकल्प हर व्यक्ति ले और उससे बेजुबान पक्षी भी अपना जीवन चला सके इस प्रकार से मुकेश सिरवी ने बताया कि कि भारत सरकार द्वारा इस वैश्विक महामारी के रोकने की संपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं जिसके लिए

जरूरतमंद और गरीब वर्ग परिवार के लिए हर प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं अतः बेजुबान पशु पक्षियों के लिए हर मानव प्राणी को ही संकल्प लेना चाहिए और उनके लिए अपनी ओर से चारा पानी की व्यवस्था की जाए इस प्रकार से मुकेश सिंह ने बताया कि सीरवी समाज की ओर से इस वैश्विक महामारी में भी सीरवी समाज का जरूरतमंदों के लिए सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा और अभी बेजुबान पक्षियों के रवि सीरवी समाज की ओर से हर दिन अलग-अलग प्रकार से पशु पक्षियों के चारा पानी की व्यवस्था की जा रही है इस समय सीरवी समाज की ओर से प्रत्येक गांव गांव में अलग-अलग ढंग से अपनी ओर से सहयोग दिया जा रहा है और जिला परिषद सदस्य खीमाराम सिरवी ने बताया कि इस समय सरकार द्वारा दिए गए थे निर्देशों का पालन करें और सोशल डिस्टेंस की मुख्य बचाव हैं समांतर दूरी बनाए रखें और कोराना योद्धाओं का सम्मान करें।

## पूर्व विधायक ने दी मृतक के परिजनों को पांच हजार की सहायता राशि

**अम्बाह।** थाना क्षेत्र के बड़फरा गांव में मजदूर शिबराज सखवार ने काम न मिलने से परेशान होकर शुक्रवार शनिवार की रात्रि फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी ज्ञात रहे कि शिवराज मजदूर था और लॉक डाउन के चलते उसे मजदूरी नहीं मिल पा रही थी जिसके चलते वह आर्थिक रूप से परेशान था सोमवार को पूर्व विधायक कमलेश जाटव ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट करते हुए शिवराज के परिजनों को स्वयं की तरफ से पारिवारिक लाभ के तहत 5 हजार की नगद राशि दी ज्ञात रहे कि पुत्र की मौत के बाद शिबराज की माता सहित अन्य परिजन परेशान है पूर्व विधायक ने परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

## जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री का वितरण किया गया

**केवलराम मालवीय**

गांधीनगर इंदौर-सेवा भारती की योजना अनुसार पश्चिम इंदौर के गांधीनगर में अधिकृत केंद्र द्वारा लॉगडाउन के शुरुआती समय से ही जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। खाद्य सामग्री में 5 किलो आटा 1 किलो दाल 1 किलो नमक 1 किलो चावल व खाद्य तेल का पैकेट बनाकर निशुल्क वितरित किया जा रहा है। यह सेवा 28 मार्च से जारी है लॉकडाउन के प्रथम तथा द्वितीय चरण में साढ़े नौ सौ परिवारों को लगभग अस्सी क्विंटल सामग्री वितरित की गई एवं लॉकडाउन के तृतीय चरण में भी सामग्री का वितरण जारी है।यह सामग्री इसी क्षेत्र के आसपास निवास करने वाले दानदाताओं से ली गई है।

खाद्य सामग्री का वितरण गांधीनगर के महावीर मार्ग,ओमकार मार्ग,परशुराम मार्ग, कस्तूर नगर, शंकर कॉलोनी, वोहरा कॉलोनी,सी स्पेशल, नया बसेरा तथा नैनोद पंचायत के सिद्धार्थनगर, रामकमल रेसिडेंसी, अरिहंत नगर एवं गोमटगिरी के आसपास के जरूरतमंदों को किया गया। इस कार्य में गांधी नगर एवं आसपास के 20 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

## 15 किमी की लगाई दौड़,आलमपुर थाना पहुंचे दबोह थाना प्रभारी

**दबोह( मोहित गोस्वामी)**

दबोह थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर कोरोना के चलते जितना ज्यादा ड्यूटी का ध्यान रखते हैं उतना ही वह अपनी सेहत का भी ख्याल बखूबी रखते हैं।यहां बता दें कि दबोह थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर रोजाना 10-12 किमी की दौड़ लगाते हैं।जिसके चलते वह रविवार को दौड़ लगाते हुए दबोह से महज 15 किमी की दूरी पर बसे आलमपुर पहुंचे वहां पहुंचकर उन्होने आलमपुर थाने पर विश्राम किया और फिर वहां से वापस दबोह पहुंचे।यहां बताना मुनासिब होगा कि दबोह हायर सेकेंडरी ग्राउंड पर फ्री स्पोर्ट्स रनिंग एकेडमी के कोच सिया पाल द्वारा ग्राउंड में युवाओ को निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग दो जाती है जिसमे थाना प्रभारी भी युवाओ को सेहत के लिए जरूरी टिप्स देते हैं।फिलहाल तो कोरोना वायरस के चलते इस समय ग्राउंड सुनसान पड़ा हुआ है।थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर के साथ आरक्षक नीरज शर्मा,आरक्षक दीपक सिंह व कोच सिया पाल आलमपुर पहुंचे थे।

# फूलों की वर्षा करके दी कोरोना संदिग्धों को विदाई

**कैलारस।** कैलारस में 15 कोरोना संदिग्धों की कल शाम को रिपोर्ट निगेटिव आने पर समूचे कैलारस में खुशी की लहर दौड़ गयी, इसी के तारतम्य में आज उन्हें छात्रावास क्वारंटाइन सेंटर से उनके ग्राम चमरगवा घर के लिए विदा किया गया। ओर ग्राम में ही अब इन्हें होम क्वारंटाइन किया जाएगा। इस विदाई के समय कैलारस जनपद सीईओ गिर्राज शर्मा, तहसीलदार नरेश शर्मा, बीएमओ डॉ एस आर मिश्रा, बीआरसी वीरेंद्र धाकड़ ,एवम पटवारी सचिव ,सत्य सेबा ग्राम विकाश समिति आशीष सिंह (सरकार)उपस्थित थे।क्वारंटाइन किये गए सभी लोग क्वारंटाइन सेंटर की व्यवस्थाओं से बहुत खुश थे, सभी ने एक सुर में कहा- घर जैसी व्यवस्थाएं थी। ओर उन्होंने ईस्वर के साथ प्रशासन को बहुत बहुत धन्यबाद किया। प्रशासन के अधिकारी व चिकित्सक उन्हें उनके ग्राम तक छोड़ने गए और होम कोरेन्टीन कर घर मे ही रहने मास्क लगाने सोशल डिशटेन्स का पालन करने की समझाइस भी दी उक्त लोगो के ग्राम में पहुचते ही ग्रामीणों में भी हर्ष की लहर्र दौड़ गयी। प्रशासन ने ग्रामीणों को भी लॉक डाउन का पालन करने को कहा।

## सिहोनिया एवं आसपास के गांवों में आंधी तूफान से भारी नुक़सान: पूर्व विधायक गिर्राज

**सिहोनिया।** सिहोनिया में नत्थी सिंह तोमर के मकान में संचालित जेएसएन स्कूल के छत के ऊपर दीवार खड़ी करके उस पर सीमेंट की चादर रखी हुई थी रविवार शाम तेज आंधी तूफान आने के कारण चालीस सीमेंट के चादर उड़कर नीचे गिर कर टूट गए हैं। एवं सिहोनिया निवासी वेताल सिंह तोमर के घर की करीब 15फुट लम्बी दीवार गिर गई। दिमनी विधानसभा क्षेत्र ग्राम लहर ज्ञान सिंह का पूरा में पेड़ गिरने के कारण रामवीर सिंह गुर्जर की भैंस पेड़ के नीचे दबकर मर गई। एवं लहर पंचायत के सालिग्राम का पुरा में रघुवीर सिंह का नवनिर्मित मकान की दीवार गिरी। चिंतामन का पूरा निबासी सुरेश शर्मा मकान गिर गया ग्राम पंचायत दतहरा में तेज बारिश और आंधी के साथ हर तरह की हानि हुई पेड़ -पौधे के साथ -साथ पक्षियों की भी मौत हुई। श्मसान घाट का मुख्य द्वार भी धराशाई हो गया। दिमनी से पूर्व विधायक भाजपा नेता गिर्राज डंडोतिया सुबह 6-00 बजे से ही विधानसभा क्षेत्र के तेज आंधी और बारिश से प्रभावित गाँवो में पहुंचकर आमजन के नुकसान का आकलन कर मोके से ही प्रशासनिक अधिकारी एवं राजस्व अमले से बात कर जल्द ही नुकसान की सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये निर्देशित कर रहे हैं जिससे आमजन के हुए नुकसान की भरपाई की जा सके एवं हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

## पाँच करोड़ से अधिक टर्नओवर वाले व्यापारियों के लिए 3बी रिटर्न की समय-सीमा बढ़ाई जाए : चेम्बर ऑफ कॉमर्स

**ग्वालियर ।** जीएसटी के अन्तर्गत, पाँच करोड़ से अधिक का टर्नओवर करने वाले व्यापारियों को मासिक 3बी रिटर्न दाखिल करने की अवधि को 24 जून,2020 किए जाने की माँग चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर की गई है । अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आज केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को ई-मेल के माध्यम से प्रेषित किए गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि मार्च,2020 का मासिक 3बी रिटर्न दिनांक 20 अप्रैल,2020 तक जमा करना था, परन्तु केन्द्र सरकार द्वारा सम्पूर्ण देश में कोविड-19 की महामारी को देखते हुए इसको जमा करने के लिए ब्याज में 9त्न की छूट के साथ 15 दिवस, यानि कि दिनांक 05 मई,20 तक व्यवसाई 3बी रिटर्न दाखिल कर सकते थे, परन्तु केन्द्र सरकार द्वारा पुनः सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन की अवधि को दिनांक 15 अप्रैल,20 से 03 मई,20 तक बढ़ाए जाने की घोषणा की गई । इसी के साथ केन्द्र सरकार द्वारा एक बार पुनः दिनांक 04 मई से 17 मई,20 तक लॉकडाउन की अवधि बढ़ाए जाने की घोषणा की गई है । सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन की अवधि दि. 17 मई,20 तक किए जाने से देश का व्यवसाई वर्ग अपना कारोबार बंद करके, घर में बैठा हुआ है । व्यापार पूरी तरह से ठप्प है, व्यवसाईयों की आर्थिक गतिविधियाँ पूर्णतः बंद हैं । ऐसी स्थिति में जीएसटी के अन्तर्गत, पाँच करोड़ से अधिक टर्नओवर करने वाले व्यवसाईयों को 3बी की मासिक रिटर्न दाखिल करने की छूट जो कि पूर्व में दिनांक 05 मई,20 की गई थी, इसे बढ़ाकर दि. 24 जून,20 तक की जाए ।

# गेंद पर लार या पसीना लगाने से फैल सकता है नया वायरस शरीर से निकले तरल में २४ घंटे तक जिंदा रह सकते हैं जर्म्स

- क्रिकेट के दौरान किसी तरह के बॉडी फ्लूइड से कोरोना संक्रमण का खतरा, मास्क पहनें
- एक्सपर्ट की सलाह - गेंद चमकाने के लिए आर्टिफिशियल एजेंट का प्रयोग करना बेहतर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना के खौफ के बीच क्रिकेट को वापस पटरी पर लाने की तैयारी की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैच के दौरान गेंद को चमकाने के लिए लार या पसीने का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। हाल ही में हुई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बैठक में मेडिकल कमेटी प्रमुख पीटर हरकोर्ट ने गेंद को चमकाने के लिए आर्टिफिशियल पदार्थ के इस्तेमाल करने का सुझाव दिया था। दुनियाभर के वैज्ञानिकों ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए किसी की भी लार या ड्रॉपलेट्स से दूर रहने की सलाह दी है। लेकिन कई रिसर्च में यह भी साबित हुआ है कि पसीने से भी कोरोनावायरस फैल सकता है। आईसीएमआर के वैज्ञानिक प्रो. सुमित अग्रवाल ने बताया, कुछ ऐसी रिसर्च भी हैं जो बताती हैं कि पसीने से भी कोरोनावायरस फैल सकता है। अगर खिलाड़ी कोरोना से संक्रमित है तो खतरा है। खेल के दौरान शरीर से निकलने वाले किसी भी तरह के फ्लूइड का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। मैच के दौरान गेंद को चमकाने के लिए आर्टिफिशियल एजेंट का इस्तेमाल करने का सुझाव बेहतर है। प्रो. सुमित अग्रवाल ने कहा, जब भी मैच की शुरूआत हो तो संक्रमण से बचाव के तौर पर मास्क का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। अगर खिलाड़ी को बुखार के साथ सूखी खांसी है या किसी ऐसे शख्स से पहले मिला है तो प्रैक्टिस मैच से बचना चाहिए। इसके अलावा खुद को दूसरे इंसान से दूर रखना ही बेहतर विकल्प है। अमेरिकी विशेषज्ञ डॉ. माइकल बेनिंगर के मुताबिक, सीधेतौर पर कोरोना के संक्रमण का खतरा लार से है। सिर्फ कोरोना ही नहीं फ्लू, हेपेटाइटिस बी-सी, इबोला, बर्ड फ्लू, राइनोवायरस भी लार के जरिये संक्रमण फैला सकता है।

### बीसीसीआई ने जारी की एडवाइजरी

बीसीसीआई ने हाल ही में कोरोना से बचाव के लिए एडवाइजरी भी जारी की थी जिसे टीम को ले जाने वाली एयरलाइंस, होटल, राज्य स्तर की एसोसिएशंस और मेडिकल टीम से साझा किया था।

- 20 सेकंड तक अपने हाथ को पानी और साबुन से धोना है।
- खांसते या छींकते समय मुंह को ढकना जरूरी है।
- बुखार, खांसी या बीमार होने पर मेडिकल टीम से तुरंत सम्पर्क करें।
- हाथ धुलने से पहले चेहरा, मुंह, नाक और आंखों को न छुएं।
- खुले में बने ऐसे रेस्तरां जहां साफ-सफाई न हो, खाना खाने से बचें।
- टीम के अलावा किसी बाहर इंसान के सम्पर्क में आने से बचें।
- हाथ मिलाने, एक-दूसरे को फोन देने या लेने और सेल्फी न लेने की भी सलाह दी गई।

## जुलाई के अंत तक स्थगित रहेंगे खेल: आईटीटीएफ

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण खेलों की पर रोक जुलाई के अंत तब बनी रहेगी। इस महीने की शुरूआत में ही आईटीटीएफ ने नौ टूनार्मेंट को रद्द कर दिया था। जिसमें दो विश्व टूर प्रतियोगितायें भी शामिल थीं। विश्व संस्था ने अपने एक बयान में कहा, सभी आईटीटीएफ प्रतियोगिताओं और गतिविधियों पर निलंबन जुलाई 2020 के अंत तक बढ़ा दिया जाता है। हम हालातों पर नजर रखें हैं जिससे अगस्त 2020 में आईटीटीएफ स्पर्धायें फिर से शुरू हों सकें। स्थगन को बढ़ाने के अलावा आईटीटीएफ ने विश्व वेटरनस टूर और टेबल टेनिस एक्स टूनार्मेंट को इस साल रद्द करने का फैसला किया है। आईटीटीएफ ने विश्व टीम चैम्पियनशिप के लिये भी नयी तारीख तय की थी जिसका आयोजन पहले मार्च में बुसान में होना था। अब इसे सितंबर-अक्टूबर में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले आईटीटीएफ ने दो विश्व टूर टूनार्मेंटों समेत नौ टूनार्मेंट जून तक के लिए रद्द कर दिए थे। उसने विश्व चैंपियनशिप की नई तारीखों की भी घोषणा कर दी थी।

पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद ने कहा

# धोनी खुद ही नहीं खेलना चाहते थे इसलिए हमने पंत को मौका दिया

- विश्व कप 2019 के बाद धोनी ने कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला
- प्रसाद के मुताबिक, माही से उन्होंने खुद बातचीत कर निर्णय लिया था

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विश्व कप 2019 के बाद से महेंद्र सिंह धोनी मैदान पर नजर नहीं आए हैं। उनके भविष्य को लेकर आए दिन कयास लगाए जाते हैं। अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने खुलासा किया है कि माही खुद कुछ वक्त तक क्रिकेट नहीं खेलना चाहते थे, इसीलिए उन्हें टीम में भी शामिल नहीं किया गया।

बता दें कि धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान हैं। अनिश्चितकाल के लिए यह टूनार्मेंट रद्द किए जाने से पहले धोनी फ्रेंचाइजी के होम ग्राउंड पर पहुंचे थे। कुछ दिन प्रैक्टिस भी की थी। फेनकोड वेबसाइट को दिए वीडियो इंटरव्यू में प्रसाद ने धोनी के टीम से बाहर रहने पर नई जानकारी दी। कहा, मैं एक बात बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं। पहले भी की है। हमने माही से खेलने के बारे में बातचीत की थी। लेकिन, वो खुद कुछ वक्त तक नहीं खेलना चाहते थे। लिहाजा, उनकी जगह ऋषभ पंत को मौका दिया गया। हम उनका पूरा समर्थन भी कर रहे हैं।

### रिटायरमेंट पर रिएक्शन नहीं

बीसीसीआई ने कुछ महीने पहले जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में भी एमएस को नहीं रखा था। इसके बाद कयास लगने शुरू हुए कि वो जल्द ही संन्यास का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, माही ने अब तक ऐसी कोई घोषणा नहीं की। प्रसाद ने भी इस बारे में कुछ नहीं कहा।

### सवाल इसलिए भी

केएल राहुल न सिर्फ आईपीएल बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट के कई मैचों में विकेटकीपर-बल्लेबाज की दोहरी भूमिका रहे हैं। पंत नहीं चले तो राहुल ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। यानी इन दो भूमिकाओं में धोनी के दो परखे हुए विकल्प टीम इंडिया के पास मौजूद हैं। प्रसाद ने कहा, न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज के दौरान राहुल ने बेहतरीन खेल दिखाया। अगर आईपीएल होता है तो हमारे पास धोनी का पुराना रंग देखने का मौका होगा। लेकिन, स्थितियां अभी जटिल हैं।

## वनडे में 3 दोहरे शतक लगा चुके रोहित ने कहा- मेरे पास टी-20 में 200 रन बनाने का अच्छा मौका था

भारतीय ओपनर रोहित शर्मा लॉकडाउन के दौरान घर की बालकनी में ही फिटनेस प्रैक्टिस कर रहे हैं। खाली समय में उन्होंने अपनी आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस के फैन्स से लाइव चैटिंग भी की। इस दौरान एक सवाल के जवाब में रोहित ने कहा कि उनके पास इंदौर टी-20 में 200 रन बनाने का शानदार मौका था। यह मैच श्रीलंका के खिलाफ 2017 में खेला गया था। इससे पहले रोहित वनडे में तीन बार दोहरा शतक लगा चुके हैं। ऐसा करने वाले वे दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। रोहित से चैटिंग का वीडियो फ्रेंचाइजी ने खुद शेयर किया है। इसमें एक फैन ने रोहित से इंदौर टी-20 का जिक्र किया था। इसके जवाब में रोहित ने कहा, उस मैच में मेरे पास 200 रन बनाने का शानदार मौका था। जिस वक्त में आउट हुआ, तब 9 ओवर और बचे हुए थे। कोई बात नहीं, मैच मैंने 35 गेंद पर 100 रन बनाए थे, यह मैं हमेशा याद रखूंगा। इस मैच में रोहित ने लोकेश राहुल के साथ 165 रन की साझेदारी भी की थी।

### रोहित ने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाए

कोरोनावायरस (कोविड-19) और लॉकडाउन के कारण आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। रोहित मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। उन्होंने टीम को तीन बार खिताब जिताया है। रोहित ने वनडे में 2014 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता में 264 रन की पारी खेली थी। 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 209 और 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मोहाली में नाबाद 208 रन बनाए थे। उन्होंने 32 टेस्ट में 2141, 224 वनडे में 9115 और 108 टी-20 में 2773 रन बनाए हैं। आईपीएल के 188 मैच में रोहित के नाम 4898 रन हैं। वहीं, रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली से फिटनेश को लेकर बात की। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि जिम जल्द ही खुल जाएं, जिससे मैं फिटनेस प्रैक्टिस कर सकूं। मैं बल्लेबाजी को बहुत मिस कर रहा हूं। काश मेरे पास भी क्रिकेट खेलने के लिए इंडोर जगह होती, लेकिन मुंबई में ऐसा होना मुश्किल है।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन ने अमेरिकी महिला टीम से कहा

# समान वेतन की लड़ाई जारी रखो प्रेसिडेंट बनता हूं तो मांग पूरी करूंगा

- जो बिडेन ने कहा- मैं प्रेसीडेंट बनता हूं तो समान वेतन मिलेगा या फिर वर्ल्ड कप फंड के लिए महिला टीम कहीं भी खेलने जा सकेगी
- महिला टीम ने समान वेतन कानून के तहत सेंट्रल कैलिफोर्निया की जिला अदालत में याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका की महिला फुटबॉल टीम को पुरुषों के समान वेतन का समर्थन डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रेसिडेंट पद के प्रस्तावित उम्मीदवार जो बिडेन ने भी किया है। उन्होंने कहा है कि वे राष्ट्रपति बनते हैं, तो टीम की मांग पूरी करेंगे। इससे पहले कोर्ट ने यूनाइटेड स्टेट वुमन सॉकर टीम की समान वेतन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। हालांकि कोर्ट ने यात्रा, आवास और स्वास्थ्य के मुद्दे पर महिला खिलाड़ियों से भेदभाव के खिलाफ सुनवाई की अनुमति दे दी थी।

इस पर 16 जून को सुनवाई होगी। जो बिडेन ने ट्वीट कर कहा, अपनी लड़ाई को मत छोड़ो। इसे जारी रखो। मैं प्रेसीडेंट बनता हूं तो समान वेतन मिलेगा या फिर वर्ल्ड कप फंड के लिए महिला टीम कहीं भी खेलने जा सकेगी। इससे पहले महिला टीम ने समान वेतन कानून के तहत 498 (66 मिलियन डॉलर) करोड़ रुपए दिए जाने की मांग की थी। जिस पर सेंट्रल कैलिफोर्निया की जिला अदालत के जज गैरी क्लूजनर ने याचिका खारिज करते हुए 32 पेज का फैसला दिया था। फैसले से महिला फुटबॉल टीम मायूस है। स्टार खिलाड़ी मेगन रेपिनो ने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद भी हम हार नहीं मानेंगे। समान वेतन की मांग को लेकर लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा- फैसला हमारे पक्ष में नहीं है। लेकिन, हम नहीं रुकेंगे। बल्कि संघर्ष जारी रहेगा। टीम की प्रवक्ता मॉली लेविन्सन ने कहा- कोर्ट के फैसले से निराश हैं। लेकिन, लड़कियों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

### महिला टीम 4 बार वर्ल्ड कप जीती

महिला फुटबॉल टीम ने चार बार वर्ल्ड कप जीता है। पुरुष टीम एक बार भी चैम्पियन नहीं बन पाई है। महिला टीम ने 1991 में पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद 1999, 2015 और 2019 में भी टीम विश्व चैम्पियन बनी। अमेरिका की महिला टीम को 2019 में वर्ल्ड कप जीतने पर इनाम के तौर पर 45 करोड़ रुपए मिले थे। जबकि 2018 में वर्ल्ड कप जीतने वाली फ्रांस की पुरुष टीम को 286 करोड़ रुपए और 2014 में विश्व चैम्पियन बनने वाले जर्मनी को 262 करोड़ रुपए मिले थे। जो अमेरिका की महिला टीम को मिली इनामी राशि से करीब 6 गुना है।

मैच फिक्सिंग के लिए अकमल बना रहे थे दबाव

# उमर अकमल की धमकी मिलने के कारण मैं टीम छोड़कर भागा था: जुल्करनैन हैदर

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जुल्करनैन हैदर ने अहम खुलासा करते हुए कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2010 की एकदिवसीय सीरीज के दौरान वह उमर अकमल की धमकी के डर से गायब हो गये थे। हैदर ने कहा कि उमर और उसके साथियों ने उनपर मैच फिक्सिंग में शामिल होने का दबाव बनाया था। साथ ही आरोप लगाया की मैच गंवाने के लिए तैयार नहीं होने पर उमर ने उन्हें धमकी दी थी। हैदर ने दावा किया कि उन्हें दुबई में टीम होटल छोड़कर रहस्यमय हालातों में लंदन भागने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उन्हें तब अपने साथी उमर और कुछ अन्य लोगों से उस सीरीज के तीसरे एकदिवसीय में खराब प्रदर्शन करने से मना करने के कारण धमकियां मिल रहीं थीं। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि मैंने उससे कहा कि वह अपना काम करता रहे और ड्रिंक्स ले जाने की भूमिका निभाता रहे पर बाद में उमरऔर कुछ अन्य खिलाड़ियों ने मुझे सीधे तौर पर धमकी देनी शुरू कर दी। मैं डरने लगा था और ऐसे में किसी को बताए बिना लंदन चला गया। नवंबर 2010 में घटी इस घटना के बाद से ही हैदर का क्रिकेट करियर भी समाप्त हो गया। साथ ही कहा कि उमर पर स्पॉट फिक्सिंग के संपर्कों का खुलासा नहीं करने के कारण लगाया गया तीन साल का प्रतिबंध बहुत कम है।

### पाक क्रिकेटर ने विराट को बताया सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

कोरोना वायरस महामारी के कारण आजकल सभी खिलाड़ी घरों में ही हैं और अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। इस दौरान सभी खिलाड़ी सोशल मीडिया के जरिये अपने प्रशंसकों से जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद युसूफ ने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया। युसूफ ने कहा कि मौजूदा दौर में कोहली दुनिया के महान खिलाड़ी हैं। इसके अलावा युसूफ ने सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा, ब्रायन लारा और जैक कैलिस में से तेंदुलकर को नंबर एक खिलाड़ी बताया। जब युसूफ से उनके पसंदीदा चार खिलाड़ियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसमें पाक के बाबर आजम, भारतीय कप्तान विराट, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को रखा। उसीमित ओवर क्रिकेट में विलियमसन को विश्व का बेहतरीन कप्तान बताया। वहीं पाक टीम के कोच बनने की बात पर उन्होंने कहा कि अगर उन्हें प्रस्ताव मिलता है तो वह मना नहीं करेंगे।

## को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस आरबीआई ने सीकेपी रद्द किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सीकेपी को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। महाराष्ट्र के इस को-ऑपरेटिव बैंक पर वित्तीय अस्थितरता के चलते फैसला लिया है। आरबीआई ने निर्णय 28 अप्रैल को लिया, जो गुरुवार को कारोबारी अवधि समाप्त होने पर प्रभावी हो गया। आरबीआई ने कहा, महाराष्ट्र के पुणे स्थित रजिस्ट्रार ऑफ को-ऑपरेटिव सोसायटीज से भी अनुरोध किया गया है कि वह सीकेपी को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई को कामकाज बंद करने के लिए एक आदेश जारी करे और बैंक के लिए एक लिक्वि डेटर नियुक्त कर दे। आरबीआई बयान के अनुसार, बैंक की वित्तीय हालत अत्यंत प्रतिकूल और अस्थिर है। किसी दूसरे बैंक के साथ विलय का प्रस्ताव या कोई ठोस रिवाइवल प्लान नहीं है। प्रबंधन की ओर से रिवाइवल की कोई विश्वसनीय वचनबद्धता नहीं दिखती है। आरबीआई के अनुसार, बैंक अपने मौजूदा और भावी जमाकताओं को भुगतान करने की स्थिति में नहीं है। आरबीआई के फैसले के बाद सीकेपी को-ऑपरेटिव बैंक के ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

## एमएसपी पर सरसों की खरीद से किसानों को मिली राहत, सोयाबीन, सीपीओ और पाम तेल में गिरावट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के सरसों उत्पादक किसानों के लिए अच्छी खबर है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों की खरीद शुरू हुई है। इससे किसानों ने राहत की सांस ली है। बीते सप्ताहांत सरसों दाना (तिलहन फसल), सरसों दादरी, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेलों की कीमतों में सुधार दर्ज हुआ जबकि मांग कमजोर होने के कारण सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव में गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि सप्ताह के दौरान सरकार ने एक अप्रैल से लागू 4,425 रुपये क्विन्टल के बढ़े हुए एमएसपी पर सरसों की खरीद शुरू कर दी है जिससे किसानों को औने-पौने दाम पर बिकवाली करने की मजबूरी से राहत मिली है और उन्होंने खुले बाजार में कम भाव पर बिकवाली बंद कर दी है। इससे सरसों में सुधार आया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 8-9 लाख टन सरसों का उत्पादन होता है जिसमें से तीन लाख टन सरसों की सरकारी खरीद की जा चुकी है। इस बार सरकार का अधिक मात्रा में और अधिक समय तक (30 जून तक) खरीद करने का लक्ष्य है जिससे कोविड-19 से त्रस्त सरसों किसानों को बिचौलियों से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। पाम तेल विशेषज्ञ दोराब जी मिस्त्री ने कहा है कि मलेशिया और इंडोनेशिया में अगली बार कहीं अधिक पाम तेल के उत्पादन होने की उम्मीद है।

## हीरो ई- मेस्ट्रो स्कूटर की तस्वीरें लीक, बजाज चेतक और टीवीएस आईक्यूब से होगा मुकाबला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश की शीर्ष दो पहिया वाहन बनाने वाली प्रसिद्ध कंपनी हीरो मोटोकार्प बाजार में अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारने वाली है। हीरो का यह इलेक्ट्रिक स्कूटर कंपनी के मेस्ट्रो ऐज स्कूटर पर आधारित होगा। इसे हीरो ई-मेस्ट्रो नाम से लॉन्च किया जा सकता है। इस नए इलेक्ट्रिक स्कूटर के कॉन्सेप्ट की तस्वीरें और डीटेल ऑनलाइन लीक हो गई हैं। आइए आपको इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के बारे में बताते हैं। हीरो ई-मेस्ट्रो कॉन्सेप्ट की लीक तस्वीरें कंपनी के जयपुर स्थित रिसर्च एंड डिवेलपमेंट सेंटर की हैं। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में परमानेंट मैग्नेट मोटर के साथ लिथियम आयन बैटरी मिलेगी। हालांकि, इसके पावर की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कॉन्सेप्ट मॉडल की तरह स्कूटर के प्रोडक्शन मॉडल (बाजार में लॉन्च होने वाला) में भी रेट्रो स्टाइलिंग एलिमेंट्स मिलने की उम्मीद है। ई-मेस्ट्रो कॉन्सेप्ट में एलईडी हेडलैम्प और टेललैम्प हैं, जबकि स्कूटर के इंडिकेटर कन्वेन्शनल दिख रहे हैं। इसमें अलॉय वील्ज, इलेक्ट्रिक मोटर और टेलेस्कोपिक फोर्क सस्पेंशन यूनिट पर गोल्ड फिनिश दी गई है। हीरो के इस नए इलेक्ट्रिक स्कूटर में तीन राइडिंग मोड मिलेंगे, जिनमें नैचुरल (एन), ड्राइव (डी) और रिवर्स (आर) शामिल हैं। मोड्स को ट्विस्टेबल लेफ्ट हैंडल बार के जरिए बदला जा सकता है। वहीं, राइट हैंडलबार में थ्रॉटल कंट्रोल होगा। हीरो माएस्ट्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर क्लाउड कनेक्टिविटी फीचर्स, फुल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्मार्ट की-लेस ऑपरेशंस के साथ आ सकता है। ब्रेकिंग की बात करें, तो स्कूटर में सीबीएस (कम्बाइंड ब्रेकिंग सिस्टम) के साथ फ्रंट और रियर में ड्रम ब्रेक हैं। हीरो ने अपने इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की लॉन्चिंग टाइमलाइन के बारे में अभी कोई अधिकारिक घोषणा नहीं की है।

स्मार्टफोन — लॉकडाउन खत्म होने के बाद सामान्य स्थिति में आने में २ से ४ हफ्ते लगेंगे

# देश में अप्रैल में नहीं बिका एक भी स्मार्टफोन, लॉकडाउन के पहले से ही बंद हैं, सैमसंग-शाओमी-रियलमी समेत कई ब्रांड्स के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स

**नई दिल्ली।** भारत में 25 मार्च से जारी लॉकडाउन के कारण स्मार्टफोन कंपनियां अप्रैल माह में शिपमेंट नहीं कर पाई, नतीजन अप्रैल में किसी भी कंपनी का स्मार्टफोन नहीं बिका। देशव्यापी लॉकडाउन के कारण देश में मौजूद तमाम मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बंद पड़े हैं। कंपनियां का कहना है कि लॉकडाउन खत्म हो भी गया तो वापस सामान्य स्थिति में आने में दो से चार हफ्ते लग जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च के महीने में स्मार्टफोन शिपमेंट में 19 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी।

### सामान्य महीने में 1.2 करोड़ स्मार्टफोन तक बिकते हैं

काउंटरपॉइंट रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा कि लॉकडाउन की वजह से फैक्ट्रियों और रिटेल शॉप बंद है और ऑनलाइन प्लेटफार्म जरूरी समानों की डिलीवरी करने में व्यस्त है। जिसके कारण अप्रैल में सेल्स शून्य रही। इसके अलावा स्मार्टफोन शिपमेंट भी शून्य रहा और अब हम मई में कदम रख चुके हैं और अभी भी कोरोना संकट मंडरा रहा है, ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि दूसरी तिमाही में भी स्मार्टफोन कंपनियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा सकता है। पाठक ने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान कुछ बिक्री हुई भी लेकिन नॉर्मल महीने में होने वाला 1.1 करोड़ से 1.2 करोड़ की तुलना में वह न के बराबर है।

### लॉकडाउन के ऐलान के बाद से ही बंद है प्लांट- माधव सेठ, रियलमी इंडिया हेड

सैमसंग से लेकर शाओमी और रियलमी तक सभी की मैन्युफैक्चरिंग और असेंबलिंग प्लांट्स लगभग 20 मार्च से ही लॉकडाउन के कारण बंद है। रियलमी ने 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा के बाद से ही अपनी फैक्ट्रियां बंद कर दी थी। रियलमी इंडिया हेड माधव सेठ ने बताया कि सरकार के आदेशानुसार ग्रेटर नोएडा स्थित प्लांट 21 मार्च से बंद है। सेल्स पर भी रोक लगा दी है। इसके अलावा रियलमी ने नारजो सीरीज समेत कई स्मार्ट प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग भी टाल दी है।

नोवेल कोरोना के दौरान प्रदेश के निवासियों को घर लाने के अभियान के तहत

# हरियाणा से प्रदेश के 24 मूकबधिर लोग ग्वालियर आए

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस की महामारी के कारण मध्यप्रदेश के विद्यार्थी, श्रमिक एवं नागरिकों को प्रदेश में वापस घर लाने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विशेष पहल की है। देशभर के अनेक प्रदेशों से मध्यप्रदेश के निवासियों को उनके घर पहुँचाने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। हरियाणा प्रदेश में मध्यप्रदेश के ऐसे दिव्यांग (मूकबधिर) 24 लोगों को घर पहुँचाने के लिये सोमवार को हरियाणा की बस ग्वालियर आई।

क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्वालियर आने पर सभी 24 व्यक्तियों को ससम्मान सिटी सेंटर स्थित दिव्यांग संस्थान में रूकवाया। प्रदेश के सभी 24 दिव्यांगजनों का मेडीकल चैकअप करने के साथ-साथ उनके रहने-खाने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों में उनके निवास स्थान तक पहुँचाने का प्रबंध भी प्रशासन द्वारा किया गया है। प्रदेश के 13 जिलों के 24 ऐसे मूकबधिर लोग हैं जो विभिन्न कारणों से हरियाणा प्रदेश में रह रहे थे। इनके परिजनों द्वारा भी प्रदेश सरकार से घर वापसी का आग्रह किया गया था। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर हरियाणा प्रदेश के साथ समन्वय स्थापित कर सभी को ग्वालियर लाया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि सभी का स्वास्थ्य परीक्षण करने के उपरांत उन्हें उनके घर तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। इसके लिये 6 रूट निर्धारित किए गए हैं। बच्चों को उनके घर तक सही सलामत पहुँचाने के लिये वाहन के साथ-साथ भोजन, पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। सभी बच्चों के साथ एक शासकीय कर्मचारी भी उनके साथ जाकर उन्हें सकुशल घर तक पहुँचायेगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि ग्वालियर से 24 दिव्यांगजनो को उनके घर पहुँचाने के लिये 6 रूट निर्धारित किए गए हैं। पहले रूट में जबलपुर, कटनी, पन्ना, उमरिया के कुल 7 लोगों को घर भेजा जायेगा। इसके साथ ही दूसरे रूट में सीधी, रीवा के कुल 6 लोगों को, तृतीय रूट में अशोकनगर, सागर के 2 लोगों को, चौथे रूट में बैतूल के 4 लोगों को, पाँचवे रूट में उज्जैन, बडवानी के 3 लोगों को तथा छठवें रूट में मुरैना जिले के 3 लोगों को उनके घर तक पृथक-पृथक गाड़ी से भेजा जायेगा।

**मूकबधिरों के चेहरों पर घर वापसी की थी खुशी**

**मूकबधिरों ने बोलकर नहीं इशारों से किया खुशी का इज़हार**-घर वापसी हमेशा ही सुखद होती है। किसी भी परिस्थिति में घर वापसी का आनंद कम नहीं होता है। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के समय प्रदेश के जो लोग देश के कौने-कौने में फँसे हुए थे, उन सबको अपने घर वापस आने की इच्छा थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के ऐसे सभी निवासियों जो अन्य प्रदेशों में फँसे हुए थे, महसूस की और उनकी घर वापसी का कार्य भी तत्परता से कराया। हरियाणा प्रदेश से जिले के 24 मूकबधिर जब बस से ग्वालियर उतरे तो उनकी खुशी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। बोल और सुन न पाने के बाबजूद भी वे सभी प्रसन्नचित थे और इशारे से अपनी खुशी का इज़हार भी कर रहे थे। ग्वालियर उतरते ही ज्यादातर मूकबधिरों ने अपने - अपने घर के परिजनों से वॉट्सएप कॉलिंग के माध्यम से इशारों में बात की। अशोकनगर के श्री देवराज ने वॉट्सएप से अपने परिजन से कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की भी चर्चा कराई। उनके परिजनों ने भी सरकार द्वारा घर वापसी के लिये जो कार्य किया है, उसकी प्रशंसा की। परिजनो ने कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

**सांसद एवं कलेक्टर ने देखी व्यवस्थायें**

हरियाणा प्रदेश से ग्वालियर आए 24 दिव्यांगजनों के लिये ग्वालियर में सिटी सेंटर में संचालित दिव्यांग संस्था में सभी को ठहरने एवं मेडीकल चैकअप की व्यवस्थायें की गई हैं। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने संस्था में दिव्यांगजनों के लिये ठहरने, भोजन आदि के लिये की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थायें बेहतर की जाएं। सभी को मेडीकल चैकअप के पश्चात भोजन आदि कराया जाए, इसके पश्चात सुबह मंगलवार को उनके गृह जिले के लिये भेजने की व्यवस्थायें की जाएं। सभी गाड़ियों में भोजन पानी की व्यवस्थायें भी हों, यह सुनिश्चित किया जाए।

सफलता की कहानी, (नोवेल कोरोना वायरस)

# जूनियर डॉक्टर भी कोरोना की लड़ाई में जुटे हैं जी-जान से

**ग्वालियर।** गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर के जूनियर चिकित्सक कोरोना महामारी से सीधा मुकाबला कर कुशल योद्धा के रूप में कोरोना के मरीजों की जान बचाने में जी-जान से लगे हुए हैं। उनके इस चिकित्सीय एवं मानव सेवा कार्य की सभी ओर सराहना हो रही है। चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर के डीन डॉ. श्री एस एन अयंगर, मेडीसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ओ पी जाटव, कोरोना की नोडल अधिकारी डॉ. नीलिमा सिंह, कोरोना के आईसीयू वार्ड के प्रभारी एवं ट्रेनर डॉ. नीलिमा टंडन सहित सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल ग्वालियर के सुप्रीटेंडेंट डॉ. जी एस गुप्ता से कोरोना की जंग लड़ने हेतु सतत मार्गदर्शन एवं सहयोग से जूनियर चिकित्सक कोविड-19 के उपचार में जी-जान से लगे हैं। वे अपने जीवन की परवाह किए बिना समाज एवं राष्ट्र हित में पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ चिकित्सीय एवं मानवीय सेवा का कार्य कर रहे हैं।

कोरोना महामारी की इस जंग में चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. अयंगर का नेतृत्व एवं प्रशासनिक क्षमताओं के अनुभवों का लाभ भी जूनियर चिकित्सको, पैरामेडीकल स्टाफ, नर्सेज एवं चिकित्सकों को भी मिल रहा है, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं और कोरोना के मरीज स्वस्थ होकर अपने घर वापस जा रहे हैं।

# ग्वालियर में सोमवार को 319 नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये जिले में किए जा रहे व्यापक प्रबंध के साथ-साथ संदिग्ध मरीजों की मेडीकल जांच भी कराई जा रही है। ग्वालियर में सोमवार को 319 स्वास्थ्य नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 3 हजार 326 सेम्पलों की जांच कराई गई है। इसके साथ ही 2 हजार 844 जांच निगेटिव प्राप्त हुई हैं। 104 प्रकरणों में जांच की आवश्यकता नहीं पाई गई है। 373 जांच नमूनों की रिपोर्ट आना शेष है। जिले में अब तक 7 हजार 999 लोगों को होम क्वारंटाइन कराया गया था, जिनमें से 6 हजार 217 की क्वारंटाइन अवधि पूर्ण हो गई है। जिले में कुल 3 लाख 85 हजार 651 लोगों की मेडीकल स्क्रीनिंग की गई है। जिले से सोमवार को 225 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं।

# मास्क न लगाने वालों एवं दुकानों पर भीड़ एकत्रित होने पर दुकानदार पर करें चालान की कार्रवाई

कलेक्टर ने इंसीडेंट कमांडरों को दिए निर्देश

**ग्वालियर।** कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी इंसीडेंट कमाण्डरों को निर्देश देते हुए कहा कि नागरिको को जो रियायत दी गई है, उसमें लॉकडाउन का पूर्ण रूप से पालन हो। मास्क न लगाने वालों एवं दुकानों पर अधिक भीड़ एकत्रित होने पर संबंधित दुकानदार पर चालान की कार्रवाई करें। कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त निर्देश सोमवार को स्मार्ट सिटी कमाण्ड कंट्रोल सेंटर में इंसीडेंट कमाण्डरों की बैठक में दिए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह, अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य सहित इंसीडेंट कमाण्डर एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने इंसीडेंट कमाण्डरों को निर्देश देते हुए कहा कि सर्वे का कार्य और प्रभावी तरीके से हो। सर्वे टीम सर्वे के दौरान दो गज की दूरी

बनाकर परिवार के प्रत्येक सदस्य के बारे में सर्दी जुकाम, खाँसी, बुखार के साथ बुजुर्ग एवं बच्चों तथा ब्लडप्रेशर, मधुमेह एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जानकारी ले। सांस लेने या कोविड-19 के लक्षण पाए जाने पर सेम्पलिंग कराई जाए। कलेक्टर ने कहा कि बाहर से आने वाले लोगों को संस्थागत क्वारंटाइन कराने की अपेक्षा 14 दिन तक घर में ही क्वारंटाइन करने की समझाइश दें और उन पर निरंतर निगरानी भी रखें। श्री सिंह ने चिकित्सालयों में ओपीडी में इलाज करा रहे मरीजों की चर्चा करते हुए कहा कि सभी निजी चिकित्सालयों को निर्देश दिए जाएं कि सर्दी जुकाम आदि बीमारी के आने वाले मरीजों की पूर्ण जानकारी चिकित्सालय में रखें और इसकी जानकारी लिंक पर भी दें। मरीजों को 14 दिन तक होम क्वारंटाइन रहने की सलाह दें। ऐसे मरीज जिनमें कोविड-19 के लक्षण पाए जाने पर उनकी सेम्पलिंग कराएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वार्ड निगरानी समितियों की बैठक नियमित रूप से आयोजित करें। समिति के माध्यम से लोगों को घरों से बाहर न निकलने की समझाइश दें। लॉकडाउन का पूर्ण रूप से पालन कराएं और सार्थक एवं आरोग्य एप को भी डाउनलोड आवश्यक रूप से कराएं।

# मण्डी लायसेंस हेतु प्रतिभूति राशि एवं रिन्युअल फीस को पूर्ववत रखा जाये : चेम्बर

## प्रमुख सचिव-किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को चेम्बर ने लिखा पत्र

**ग्वालियर।** मण्डी लायसेंस हेतु प्रतिभूति राशि एवं रिन्युअल फीस को पूर्ववत रखे जाने हेतु प्रमुख सचिव-किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग-श्री अजीत केसरी जी को चेम्बर ने पत्र प्रेषित किया है। चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि कृषि उपज मण्डी समिति ग्वालियर द्वारा मण्डी लायसेंस हेतु 50,000/- की प्रतिभूति राशि की एफडीआर मांगी जा रही है एवं रिन्युअल फीस 1000/- से बढाकर 5200/- रूपये कर दी गई है। चेम्बर ने पत्र में उल्लेख किया है कि कोविड-19 के कारण पिछ्ले 2 माह से व्यापार की स्थिति चरमरा गई है। ऐसी स्थिति में छोटे व्यापारी अपनी व्यवसायिक आवश्यकता एवं घरेलू आवश्यकता के लिए ही धन की आवश्यकता बड़ी मुश्किल से कर पा रहे हैं तो 50,000/- की एफडीआर कहां से जमा करवायेंगे। पूर्व में 5,000/- की प्रतिभूति राशि एफडीआर के रूप में जमा करवाई जाती थी और रिन्युअल फीस 1,000/- ली जाती थी। जबकि अब इसे 10 गुना तक बढा दिया गया है, जो कि न्यायोचित नहीं है। चेम्बर ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि कोविड-19 के इस आपदाकाल में व्यापार की दयनीय स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए मण्डी लायसेंस हेतु प्रतिभूति राशि एवं रिन्युअल फीस में किसी भी प्रकार की वृद्धि न करते हुए इसे पूर्ववत रखा जाये।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478